



// PAGE

नेहा मलिक ने फिर लूट लिया फैंस का दिल
भोजपुरी सिनेमा हॉट एक्ट्रेस नेहा मलिक सिजलिंग, ग्लैमरस और बोल्ड लुक की वजह से सोशल मीडिया में चर्चा में रहती हैं।

// PAGE

दीपिका पादुकोण की तस्वीर ने फिर चुराया रणवीर सिंह का दिल
बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म फाइटर को लेकर हर तरफ छाई हुई हैं।

// PAGE

नए भोजपुरी गाने का टीजर आउट
अक्षरा सिंह का लेटेस्ट वीडियो रिलीज होने के लिए तैयार है. हाल ही में एक्ट्रेस के अपकमिंग गाने का टीजर लॉन्च हुआ है.

जदयू में ऑल इज़ वेल नहीं!



नीतीश कुमार बोले बहुमत सिद्ध कर लेंगे



मिथुन चक्रवर्ती की हालत स्थिर, सेहत में सुधार

कोलकाता। बॉलीवुड अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती की हालत स्थिर बनी हुई है। उनकी सेहत में सुधार की खबर है। शनिवार सुबह सीने में दर्द के बाद कोलकाता के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल की ओर से रविवार को जारी हेल्थ बुलेटिन में बताया गया है कि अभिनेता के सीने का दर्द खत्म हो गया है। अभिनेता के करीबी लोगों के मुताबिक, कोलकाता के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों की टीम ने जानकारी दी है कि मिथुन चक्रवर्ती की हालत स्थिर है। मिथुन ने मेडिकल जांच के लिए गठित टीम के डॉक्टरों के साथ बातचीत की। सूत्रों के मुताबिक एमआरआई में इस्केमिक सेरेब्रोवास्कुलर ब्लॉकेज के लक्षणों का संकेत मिला है, जिसका सरल शब्दों में अर्थ है श्रोम्बस या रक्त के थक्के द्वारा मस्तिष्क तक जाने वाली धमनी का अवरुद्ध होना या बंद हो जाना।

पटना : बिहार विधानसभा में सोमवार को होने वाले फ्लोर टेस्ट से पहले जेडीयू में सेंधमारी की चर्चा आम है. फ्लोर टेस्ट से पहले रविवार की रात बुलायी गयी जेडीयू विधायकों की बैठक से कम से कम चार विधायक गायब रहे. लेकिन अपनी पार्टी के विधायकों को नीतीश ने कहा- आप लोग घबराइये नहीं, कुछ नहीं होने जा रहा है. संख्या बल हमारे पास है. बता दें कि 9 फरवरी को ही जेडीयू ने अपने तमाम विधायकों को पटना में मौजूद रहने को कहा था. 10 फरवरी की दोपहर पार्टी ने अपने विधायकों को मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर बुलाया था लेकिन पांच विधायक बैठक में नहीं पहुंचे थे. शनिवार को इस बैठक के बाद मंत्री श्रवण कुमार ने सफाई दी थी निजी कारणों से विधायक पटना से बाहर हैं. लेकिन 11 फरवरी की रात मंत्री विजय चौधरी के आवास पर होने वाली बैठक में सारे विधायक मौजूद रहेंगे. लेकिन फ्लोर टेस्ट से पहले की रात यानि रविवार की रात को मंत्री विजय चौधरी के आवास पर बुलायी गयी बैठक से पार्टी के कम से कम चार विधायक गायब रहे. विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जेडीयू की इस बैठक में विधायक सुदर्शन, बीमा भारती, दिलीप राय और डॉ संजीव कुमार नहीं पहुंचे. पार्टी के

विधायक इस तरह तितर बितर हुए कि मंत्री श्रवण कुमार आखिर आखिर तक उन्हें समेटने की कोशिश करते रहे. लेकिन वे सफल नहीं हो पाये. शाम 5 बजे शुरू होने वाली बैठक में श्रवण कुमार दो विधायकों को अपनी गाड़ी में बिठा कर पहुंचे. इनमें सुधांशु शेखर, अमन भूषण हजारी के साथ श्रवण कुमार बैठक में शामिल होने पहुंचे. नीतीश की पार्टी के लिए चिंता की सबसे बड़ी बात ये है कि पार्टी के जो चार विधायक बैठक में शामिल नहीं हुए उनके मोबाइल बंद हैं. पार्टी के विधायक सुदर्शन कुमार का मोबाइल आउट ऑफ नेटवर्क है. वहीं बीमा भारती का मोबाइल बंद है और उसमें बांग्ला भाषा में मोबाइल बंद होने की जानकारी मिल रही है. इसका मतलब ये है कि वो पश्चिम बंगाल में हैं. वहीं, विधायक दिलीप राय और डॉ संजीव का भी मोबाइल बंद है. जेडीयू में सेंधमारी हो गयी है. इसके कारण भी हैं. बरबीघा से विधायक सुदर्शन कुमार काफी पहले से मंत्री अशोक चौधरी से नाराज हैं. उन्होंने नीतीश कुमार से भी शिकायत की थी लेकिन अशोक चौधरी पर कोई असर नहीं पड़ा. सुदर्शन इस मामले को लेकर लंबे असें से नाराज हैं. उधर, जेडीयू विधायक बीमा भारती भी लंबे असें से नाराज हैं. वे मीडिया के सामने आकर तत्कालीन मंत्री लेसी सिंह के खिलाफ जमकर बयान देती रही हैं.

बीमा भारती की नाराजगी के बावजूद लेसी सिंह मंत्री बनीं रहीं. लिहाजा बीमा भारती का बैठक में नहीं पहुंचना अलग संकेत दे रहा है. उधर जेडीयू के एक और विधायक दिलीप राय पर पाला बदलने का शक है. दिलीप राय पहले राजद के ही नेता रहे हैं. वे राजद के विधान पार्षद रह चुके हैं. लेकिन 2020 में पाला बदल कर जेडीयू में आये थे और विधानसभा चुनाव में जेडीयू के टिकट पर विधायक बन गये. लेकिन दिलीप राय की लालू परिवार से नजदीकी जग जाहिर रही है. लिहाजा उन पर शक गहरा रहा है.

नीतीश बोले-कोई दिक्कत नहीं

इस बीच रविवार की शाम नीतीश कुमार ने अपने विधायकों से कहा कि किसी को घबराने की जरूरत नहीं है. जेडीयू के सारे विधायक एकजुट हैं. नीतीश कुमार ने कहा कि विधायकों को सदन में एकजुट रहकर विपक्ष को जवाब देना है. मुख्यमंत्री ने अपने विधायकों से कहा कि फ्लोर टेस्ट के दौरान विपक्ष के लोग सदन में अव्यवस्था फैला सकते हैं लेकिन जेडीयू के विधायकों को कोई उत्तेजना नहीं दिखाना है. हमारे पास संख्या बल है और विश्वासमत हासिल करेंगे



MADAN RAJ NURSING HOME

HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No. - 9801637890, 6200450565, 9113374254



केके पाठक डाल - डाल तो पताही के इस स्कूल का प्रधानाध्यापक पात- पात



बीएनएम@सागर सूरज

मोतिहारी : पताही स्थित रुपनी गाँव के पांडे टोला के एक सरकारी स्कूल में पत्रकारों के साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। एक तरफ पताही थानाध्यक्ष ने पीड़ित पत्रकार के आवेदन की जांच शुरू कर दी है, वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने भी मामले में संज्ञान लेते हुए स्थानीय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी से जांच करवा कर कार्रवाई की बात कही है। भ्रष्टाचार में आंकड़ डूबे पांडे टोला स्थित राजकीय उत्कर्मित मध्य

विद्यालय के प्रधानाध्यापक करुणेश कुमार की दबंगई, दादागिरी और भ्रष्टाचार से ना केवल शिक्षक परेशान हैं बल्कि छात्रों और उनके परिजन भी खासे नाराज है। प्रधानाध्यापक को ना ही स्थानीय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी और ना ही जिला शिक्षा पदाधिकारी का ही भए है। आय दिन बच्चों के हंगामे की खबर अखबारों की सुर्खियां बनती रही है। कम छात्रों की उपस्थिति के बाद भी छात्रों की संख्या से कई गुणा अधिक छात्रों की फर्जी हाजरी बनाना, खुलेआम बच्चों को मिड डे मील के तहत दी जाने वाली अंडे और फलों को अपने घर ले

जाना जैसे आरोप तो इस प्रधानाध्यापक के लिए ना तो डराने वाली खबर है और ना ही किसी अखबार नबिंश और ना ही किसी अधिकारी का ही इसे डर है। इस बेशर्मा प्रधानाध्यापक की खबरे जब अखबारों की सुर्खियां बनी तो मुख्यधारा के अखबारों के तीन पत्रकार अपने कैमरे की आँखों से प्रधानाध्यापक के भ्रष्टाचार को स्कैन करने उक्त स्कूल में पहुंचे और प्रधानाध्यापक को सवालों से घेरने लगे। इधर एक पत्रकार व्यान का वीडियो बनाने लगे फिर क्या था। अपने भ्रष्टाचार की कलई खुलते देख प्रधानाध्यापक

अचानक से हिंसक हो गए और विडिओ बनाने वाले पत्रकार पर जान लेवा हमला करते हुए नीचे गिरा कर गर्दन दबा दिया अन्य पत्रकारों द्वारा छुड़ाए जाने के बाद उक्त पत्रकार को स्कूल के एक कमरे में तकरीबन तीन घंटे बंधक बना कर रखा गया। पीड़ित पत्रकार के आवेदन के अनुसार अन्य पत्रकारों और स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा फोन करने पर स्थानीय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे तब जाकर पत्रकार की जान बच सकी।

NEWS IN BRIEF

ये है मामला

पीड़ित पत्रकार के आवेदन के अनुसार अन्य पत्रकारों और स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा फोन करने पर स्थानीय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे तब जाकर पत्रकार की जान बच सकी। भ्रष्टाचार की कलई खुलते देख प्रधानाध्यापक अचानक से हिंसक हो गए और विडिओ बनाने वाले पत्रकार पर जान लेवा हमला कर दिया अन्य पत्रकारों द्वारा छुड़ाए जाने के बाद उक्त पत्रकार को स्कूल के एक कमरे में तकरीबन तीन घंटे बंधक बना कर रखा गया।

प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी-

इसी क्रम में प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी अरविन्द तिवारी ने जब स्कूल की जांच की तो एक शिक्षक गायब मिले लेकिन उनकी हजारी बना दी गई थी। बच्चों ने भी आरोप लगाया की ना तो अंडा किसी बच्चा को मिलता है और ना ही फल। मिड डे मील का सरकारी मेनू और प्रधानाध्यापक के मेनू में कोई ताल्लुकान नहीं होता है। दाल तो जैसे पानी के बगल से गुजर जाता प्रतीत होता है, यही कारण है की बच्चे अपने अपने घर पर ही खाना खाना मुनासिब समझते हैं। प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी ने तो वैसे कहा कि सभी अनियमितताओं की जानकारी जिला शिक्षा विभाग को दिया जाएगा। लेकिन सवाल है क्या जिला में भेजे गए अनियमितताओं के ऐसे अन्य मामलों की तरह इस मामले की फाइल भी विभाग की धूल फाँकेगी।

जिला शिक्षा पदाधिकारी बोले-

हालांकि जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि पत्रकारों पर हमला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कुठाराघात है। पत्रकार के साथ हुए दुर्व्यवहार मामले में भी जांच कर दोषी प्रधानाध्यापक पर कार्रवाई की जाएगी।

बेतिया में प्रतिबंधित दारु के साथ 2 गिरफ्तार

बीएनएम@बेतिया

बेतिया। बेतिया पुलिस जिला स्थित बैरिया थाना के पुलिस ने खड्डा पुल के समीप से एक बाईक के साथ दो धंधेबाज को दारु के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद अवैध दारु को गंडक के रास्ते बेतिया ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया की गिरफ्तार धंधेबाज राजू पटेल व आकाश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। आकाश ताधावा का रहने वाला है जबकि दूसरे धंधेबाज मुफाशिल थाना क्षेत्र

का रहने वाला है। अवैध दारु के धंधे में प्रयोग किया गया एक बाईक भी जप्त की गई है। इन धंधेबाजों के पास से 12 लीटर शराब जप्त किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया की पूजा को देखते हुए गंडक के सभी घाटों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। आने जाने वाले नावों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। एक गस्ति दल को लगातार चंपारण तटबंध के किनारों पर गंडक घाट के आस पास गस्त लगाने का भी निर्देश दिया गया है।

स्वर्ण व्यवसाय से लूट का मामला संध्यास्पद जल्द होगा खुलासा

बीएनएम@पताही

पताही। क्षेत्र के वीरता पचपकड़ी सड़क मार्ग में शनिवार की संध्या स्वर्ण दुकानदार से अपराधियों द्वारा लूट मामले में स्वर्ण दुकानदार पदुमकेर गांव निवासी सामोद कुमार चौधरी द्वारा एक लिखित आवेदन थाने को दिया गया। जिसमें उन्होंने लिखा है कि शनिवार संध्या पचपकरी बाजार स्थित अपने दुकान से घर लौट के क्रम में तीन मोटरसाइकिल सवार नकाबपोश अपराधियों द्वारा गाड़ी रोक कर चांदी एवं सोने की जेवरात के साथ बैग में रखे नगदी 25 हजार रुपया एवं मोबाइल लूट कर फरार हो गए। घटना के संबंध में पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार बताया कि यह लूट का मामला संध्यास्पद है। घटना के संबंध में जब स्वर्ण व्यवसाय से खरीदी गई चांदी कि बिल एवं दुकान की जीएसटी की मांग की गई तो

दुकानदार द्वारा नहीं चांदी खरीदारी का बिल एवं नहीं दुकान का जीएसटी बिल दिखाया गया है। लूट की घटना के बाद सीसीटीवी कैमरे कंगाली गई थी। पुलिस एक संदिग्ध व्यक्ति व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है जल्द ही स्वर्ण व्यवसाय के साथ हुए लूट मामले का उद्घेदन कर दिया जाएगा।



पूर्व मंत्री श्याम रजक ने माधोपुर तृतीया मेला का किया उद्घाटन

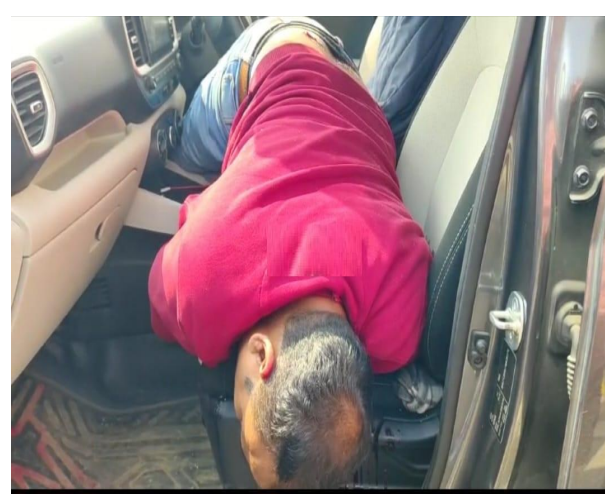
बीएनएम@तुरकौलिया

तुरकौलिया। माधोपुर तृतीया मेला का उद्घाटन बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्याम रजक ने रविवार को फीता काटकर किया। जहां उद्घाटन भाषण में पूर्व मंत्री श्री रजक ने कहा कि यहां आने पर पता चला कि यह मेला एतिहासिक है और सदियों से यह मेला लगता आ रहा है। भीखम बाबा ने 1856 ईस्वी में इसी जगह पर समाधि लिया था। तबसे लेकर आजतक बाबा

के याद में समाधि स्थली के पास इसी जगह पर पूजा अर्चना किया जाता है। यह पर सैकड़ों वर्षों से मेला का आयोजन किया जाता है। मेला में काठ का तरह तरह का सामान और फर्नीचर लेकर दूर दूर से व्यापारी यहां आते हैं। साथ ही दूरदराज से किसान भी यहां फर्नीचर खरीदने पहुंचते हैं। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि इस मेले को और विकसित करने में वह हर संभव सहयोग करने को तैयार हैं। काशतकारों को उचित दाम मिले इसके लिए आवाज बूलंद किया जाएगा।

पूर्व विधायक सह निवर्तमान विहार अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार राम ने कहा कि इस मेले का अहमियत इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब अभिभावक अपने बेटी की शादी ठीक करते हैं तो इसी मेले में आकर फर्नीचर खरीदते हैं। शादी में फर्नीचर का सामान खरीदने के लिए अभिभावक एक साल तक मेले का इंतजार करते हैं। मध्यम वर्ग के लोग सस्ते दाम पर शादी-ब्याह में देने के लिए लकड़ी से बने सामान मेला में खरीदने आते हैं।

दिनदहाड़े कार सवार युवक को गोलियों से भूना



बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में रक्सौल-छपवा राष्ट्रीय उच्च पथ के बंगरा स्थित निर्माणधीन टॉल प्लाजा के समीप रविवार को अपराधियों ने दिनदहाड़े एक कार सवार युवक को गोलियों से छलनी कर दिया। गोली लगने से गंभीर युवक का मोतिहारी में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रक्सौल की ओर से आ रही हंडई कार संख्या BR06DE3455 पर सवार युवक पर उसके आगे चल रही उजले रंग की स्कार्पियो पर सवार बदमाशों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम देकर

छपवा की ओर फरार हो गये। लोगो ने बताया कि कार के ठीक आगे स्कार्पियो थी, जो सुगौली के बंगरा स्थित निर्माणधीन टॉल प्लाजा के पास पहुंचते ही अचानक गाड़ी को रोक दिया। जिस कारण पीछे चल रहे हंडई कार को भी रुकना पड़ा इसी बीच स्कार्पियो में सवार दो लोग हथियार के साथ बाहर निकले और कार सवार पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जिससे व्यक्ति गंभीर रूप से जखमी होकर कार के सीट पर ही गिर पड़ा। आस-पास के लोग और टॉल कर्मों कुछ समझ पाते इसके पहले ही स्कार्पियो सवार अपराधी छपवा की ओर भाग निकले।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे एसपी सदर शिखर चौधरी व सुगौली थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार घटना की घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस सहित चार खोखा बरामद किया है। गोली की आवाज सुनकर टॉल कर्मों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पुलिस के अनुसार घायल युवक रक्सौल के हरेया ओपी थाना क्षेत्र निवासी कामेश्वर सिंह का पुत्र अनुप कुमार सिंह है। वहीं घटना स्थल पर मौजूद टॉल कर्मों रंजीत सिंह ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर हमलोग दौड़े तब तक अपराधी भाग गए थे। जिसके बाद पुलिस को सूचना देकर एंबुलेंस से घायल व्यक्ति को अस्पताल भिजवाया। फिलहाल युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है।



वास्तव में सुख का अर्थ--जो मिल रहा है, उसका आनंद लेना और दुःख का अर्थ--मुझे और चाहिए। सुख प्राप्त का यह मतलब

नहीं कि आपको जो अच्छा लगे, आप वह कर सकें बल्कि यह है कि जो आप करें, वह अच्छा हो। सुख व्यक्ति के अहंकार की परीक्षा है जबकि दुःख व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा है। दोनों परीक्षा में उत्तीर्ण व्यक्ति का जीवन ही सफल जीवन है। सुख के लिए संतोषी बनना ज्यादा श्रेयस्कर है क्योंकि संतोष सुख की जड़ है, असंतोष में तो दुःख पनपता है। सुख और आनंद ऐसे इत्र हैं जिन्हें जितना दूसरों पर छिड़केंगे, उतनी ही सुगंध आपके भीतर आएगी।

सुखी होने के बहुत रास्ते हैं, पर औरों से ज्यादा सुखी होने के रास्ते नहीं हैं। दूसरे को दोषी बनाने का जो सुख समझते हैं, उसके लिए असली दुःख वहीं ज्यादा बड़ा है। सुख-

जिंदगी में सुख-दुःख की ढलान

दुःख की न तो कोई परिभाषा है और न ही कोई सीमा। सुखी होने के चक्कर में बहुत से लोग पूरी जिंदगी दुःखी रहते हैं। दुःख में स्वयं की एक अंगुली आंसू पोंछती है और सुख में दसों अंगुलियां बजती हैं। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अगर हम पेंसिल बनकर किसी का सुख नहीं लिख सकते तो अच्छी रबड़ बनकर किसी का दुःख कम तो कर सकते हैं। किसी को चाह कर भी दुःख नहीं देना चाहिए, क्योंकि कई बार किसी को दी गई चीख कई गुना होकर वापस लौटती है। इच्छाएं, सपने, उम्मीदें और नाखून--इन्हें समय-समय पर काटते रहें, अन्यथा ये दुःख और पश्चाताप का कारण बनते हैं।

इंसान दो अवस्थाओं में बेबस है--दुःख बेच नहीं सकता और सुख खरीद नहीं सकता। सुखी व्यक्ति वह है जो निरंतर स्वयं का मूल्यांकन एवं सुधार करता है, जबकि दुःखी व्यक्ति वह है जो दूसरों का मूल्यांकन करने में लगा रहता है। सचमुच कुदरत ने तो आनंद

दिया था, दुःख तो हमारी खोज है। कहते हैं कि दुःख बांटने से कम होता है, पर बहुत बार इंसान अपनों को दुःख इसलिए नहीं बताता कि कोई दुःखी न हो जाए या उन्हें बताने लायक नहीं समझता। किसी ने कहा है कि मनुष्य अपनी इच्छाएं त्यागकर अर्थवान हो जाता है और लालच तजकर मनुष्य सुखी हो जाता है।

किसी ने खूब कहा है कि किसी के सुख का कारण बनें, भागीदार नहीं और दुःख में भागीदार बनें, कारण नहीं। किसी को दुःख देने से पहले यह सोच लेना कि उसके आंसू कहीं आपके लिए सजा न बन जाएं। देखने में आया है कि दूसरों का भला करने वाले को ज्यादा कष्ट और तकलीफें उसी तरह झेलनी पड़ती जैसे फल देने वाले पेड़ को सबसे ज्यादा पत्थर झेलने पड़ते हैं। जिसे जीना आता है, वह बिना किसी सुविधा के भी खुश मिलेगा और जिसे जीना नहीं आता, वह सुविधाओं के होते हुए भी दुःखी मिलेगा।

यकीनन हम खुशी के लिए सोचेंगे तो खुश रहेंगे और दुःख के विषय में सोचेंगे तो दुःखी रहेंगे। सुखी रखना बेशक हमारे हाथ में नहीं

है, लेकिन किसी को दुःख न देना जरूर हमारे हाथ में है। सुख-दुःख मेहमान हैं, बारी-बारी आएंगे, कुछ दिन ठहर कर चले जाएंगे। दुःख को सुख में बदलते रहिए, धीरे-धीरे ही सही, पर चलते रहिए। दुःख हमारी सोच में ज्यादा बसता है। अतः सोच बदलिए, दुःख अगर किसी कारण खत्म नहीं तो कम जरूर हो जाएंगे। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। अगर वो नहीं आएंगे तो अनुभव कहां से लाएंगे? अगर दुःखी रहने में आनंद लेना हो तो दूसरों में कमी खोजो और सुखी रहना हो तो गुण खोजो।

जीवन में जब हम खराब दौर से गुजरते हैं, तब मन में यह विचार जरूर आता है कि परमात्मा मेरी परेशानी देखता क्यों नहीं, मेरे दुःख कम क्यों नहीं करता। पर याद रखना, जब परीक्षा चल रही होती है, तब शिक्षक मौन रहते हैं।

दुःखी सब हैं संसार में, कौन है जो पूर्णतः सुखी है? कटु सत्य है कि किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अपने को खुश रखोगे तो दूसरे

तुमसे खुश रहेंगे। खिन्न रहने वाले किसी की खुशी हासिल नहीं कर सकते। जिसे मन स्वीकारे, वह सुख और जिसे अस्वीकारे, वह दुःख।

हमें परमपिता परमेश्वर की व्यवस्था पर अटूट विश्वास रखना चाहिए। क्योंकि वही सृष्टि के निर्माता, पालनहार और संहारक हैं। वही मनुष्य के कर्मों का हिसाब रखते हैं और वही हमारे दुखों का अंत भी करते हैं। विपदा में लोग भगवान को याद करते हैं, लेकिन बुरी घड़ी टल जाती है तो फिर उसे भूल जाते हैं। यदि मनुष्य सुख के समय भी भगवान को न भूले, उनका सुमिरन करता रहे तो भला दुःख आएगा ही क्यों?

जीवन में दो बातें ध्यान रखने लायक हैं। एक तो यह कि प्रभु जो सुख-दुःख देते हैं, उसमें इस जन्म या पूर्व जन्म में किए गए कर्म का फलादेश जुड़ा होता है। यानी बुरे कर्म का बुरा फल, अच्छे का अच्छा फल। दूसरा, जीवन रूपी सड़क पर लंबा सफर करते हैं तो चढ़ाई आने के बाद दुःख और समतल में सुख आता रहता है। कई बार प्रभु अपने भक्त को असमंजस में डालते हैं और ऐसा करके प्रभु अपने भक्त की आस्था, विश्वास, सोच, संकल्प आदि की परीक्षा ले रहे होते हैं। सुख और दुःख एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

इतिहास झांकू - भीष्म कुकरेती

मुझे नहीं पता आज देहरादून में समोसा संस्कृति कितनी ज़िदा है पर यह पता है कि समोसा भारत में नहीं जन्मे पर हम जब भारत की कल्पना करते हैं तो हमें आज का भारत ही याद आता है। कभी भारत बहुत बड़ा क्षेत्र था। कहा जाता है कि समोसे का जन्म मिडल ईस्ट में हुआ। बात में दम है समोसे में नमक कम है व मैदा से बनता है क्योंकि अमूनन आम भारतीय आज भी मैदे से दूर रहता है केवल विशेष पकवान छोड़कर।

कहा जाता है कि ईरान में यह पकवान 9 या 10 सदी में सम्बुसक, या सम्बोसाग के नाम से जानता जाता है। ईरानी साहित्य में संबोसग, संबोसा, सम्बुसक का सबसे पहले संदर्भ 10 वीं सदी में मिलता है। ईरानी इतिहासकार की किताब 'तारीख-ए-बेयहागी' (दसवीं सदी) में मिलता है और माना जाता है कि घुमन्तु व्यापारियों ने इस तिकोने मीठे भोज्य पदार्थ को दुनिया के अन्य कोनों में पहुंचाया। भारत में समोसा शायद 12 वीं या 13 वीं में व्यापारी या खानसामों द्वारा भारत में आये व सुल्तान के रसोई के शान बन गया। मोरोका यात्री इब्न बट्टा ने अपनी यात्रा वृत्तांत में लिखा है कि सुलतान बिन तुगलक के शाही भोजन गृह में उसे तिकोने सम्बुसक भोजन में

समोसे का भारत में इतिहास



दिए गए जिसके अंदर मसूर, मटर पिस्ता, बादाम व अन्य स्वादिष्ट पदार्थ भरे थे। तेरवीं सदी में महान सूफी विद्वान अमीर खुसरो ने लिखा है कि समोसा भद्र लोग खाते थे। मटन, मसालों व अन्य पदार्थों से समोसा बनता था।

अमीर खुसरो ने एक पहेली भी दी - समोसा क्यों नहीं खाया? जूता क्यों नहीं पहना? ताला न था। (जूते के सोल ताला कहा जाता है)

अकबर के रत्न अबुल फजल ने 'आइना-ए-अकबरी' में लिखा है कि बादशाह अकबर को समोसे पसंद थे। ब्रिटिश या यूरोपियन लोगों को भी समोसा गया तो उन्होंने भी समोसे को गले नहीं लगाया अपितु गले में उतार दिया।

समोसों में क्षेत्रीय भेद
स्वतंत्रता के पश्चात भारत में सर्वत्र समोसा संस्कृति प्रसार में सिंधी व पंजाबियों का योगदान है। अपनी भूमि से निर्वासित हुए पंजाबियों ने होटल ही नहीं सड़कों में रेंडिओ द्वारा भी समोसा संस्कृति का प्रसार किया।

अब तो समोसा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति पा चुका है भारत में प्रांतीय व क्षेत्रीय स्वाद अनुसार कई प्रकार के समोसे उपलब्ध हैं।

समोसा के मुख्य प्रकार- दो तरह से वर्गीकरण हो सकता है -

१- आटे के अनुसार विभाजन जैसे मैदा के समोसे, बाजरे के समोसे, नाचनी-बेसन के

समोसे, निखालिश गेंहू के आटे का समोसा आदि आदि

२- भ्रान द्रव्य अनुसार समोसों का विभाजन - भ्रान श्रव्य जैसे आलू, मटर; चीज, भिन्न भिन्न कीमा, कुछ सब्जी भी भरकर। इसी तरह मीठा समोसा जिस पर भ्रान में गुड़ या चीनी डाला जाता है।

समोसे का विभाजन अब कैसे पके के अनुसार भी हो रहा है। तिल में सघन पके समोसा व एयर फ्राइड समोसे।

भारत में समोसा के भ्रान में क्षेत्रीय भेद मिलता है जैसे - पूर्व में समोसे के अंदर आलू, हरी मिर्च, मसाले -नमक के अतिरिक्त हींग डालना सामान्य है। बंगाल में उबले आलुओं को चुरा नहीं जाता अपितु चाकू से छोटे टुकड़े किये जाते हैं व भर दिए जाते हैं। उत्तरी भारत में आलू को चुरा जाता है व तेल में सब्जी जैसा भुना जाता है तभी भरा जाता है। यह अंतर मुंबई में भी मिलता है खार बाँद्रा, साइन आदि में उत्तरी भारत तकनीक से समोसा बनता है। शेष स्थानों में कोंकणी शैली में भी पकाया जाता है जैसे नारियल चुरा भरण में प्रयोग होता है। दक्षिण में भरण में प्याज, गाजर, मसाले, पता गोभी व कड़ी पत्तों को भरा जाता है व नारियल भी।

कुछ भी है समोसा आज भारत की पहचान है।

रचनाकार- अनुजीत इकबाल, लखनऊ



अंतिम सुख

पतझड़ की असंख्य आवृत्तियां लेकिन बसंत का आना जैसे अवरूद्ध है और जीवन अरण्य रिक्तता का पर्याय बन रहा है मैं तुम्हारे दुर्निवार मोह में अपने ही अक्ष पर झुकी हुई परिक्रमण करती रहती हूँ निरंतर लेकिन कोई ऋतु नहीं बदलती आखिर वो तुम ही हो जिसके स्पर्श से हो सकता था देह के शिशिर का अवसान और प्रसफुटित हो सकती थी सौम्य सी कोई कोंपल मन के अंतर्द्वंद्व और विकल अनुबंधों से जब मुक्त हो जाऊँ तब तुम आना जीवन को पुनर्परिभाषित करने किसी अंतिम सुख की तरह।।

राजीव डोगरा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

माँ का आंचल

माँ! ममतामय आंचल में फिर से मुझे छुपा लो बहुत डर लगता है मुझे दुनिया के घने अंधकार में। माँ! फिर से अपने प्यार भरे अहसासों के दीप मुझ में आकर जला दो। माँ! खो न जाऊ कहीं दुनिया की इस भीड़ में माँ! फिर हाथ थाम मेरा कदम से कदम मिला मुझे चलना सीखा दो। माँ! डरा सहमा सा रहता हूँ मतलबखोर लोगों की भीड़ में माँ! अपना ममतामय आंचल उड़ा मुझे फिर से अपनी प्यार भरी लोरी गा सुला दो।



नमिता गुप्ता मनसी मेरठ, उत्तर प्रदेश



विजय

सुनों, मत करो चिंतन गहन, बह जाने दो, कह जाने दो.. आंसुओं को, ये ही तो रूपरेखाएं हैं, तुम्हारी श्री विजय की !!

तम तो भ्रम है, वो भी एक क्रम है, एक अवसर है.. प्रभात किरण का,

फिर डर कैसा, ये भ्रम कैसा, निस्वार्थ बढें तो टल सकती सभी बाधाएं हैं, ये ही तो रूपरेखाएं हैं, तुम्हारी श्री विजय की !!

सुनों, उठाओ तो गांठीव.. चढाओ प्रत्यंचा भी, कि पराजय सभी तुम्हारी बन चलेंगी सारथी,

समय साक्षी है, युग-युग की कथाएं भी, जब भी उपेक्षित होता है सच कमजोरियां ही बन जाती हैं कवच, प्रयत्न करने से ही बदलती रेखाएं हैं, ये ही तो रूपरेखाएं हैं, तुम्हारी श्री विजय की !! इसलिए कोशिश करो.. अर्जुन बनो.. हां, अर्जुन बनो .. !!

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।



कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

लगातार

बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिलाकर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की इच्छा होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की



देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहे तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी

से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हरे पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हो। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

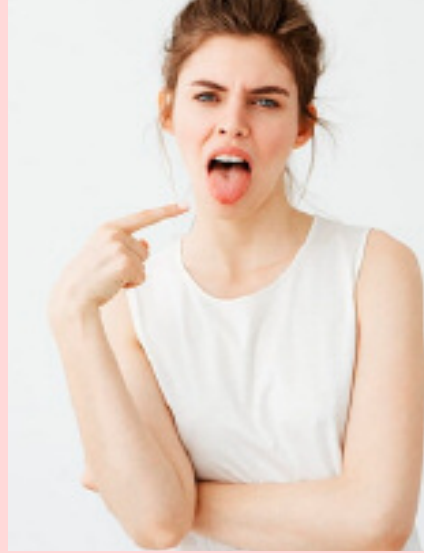
अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करे, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।



जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें। इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।



प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीजों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें। उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।

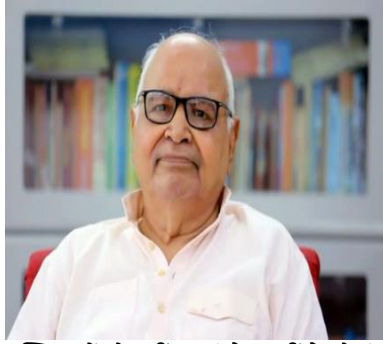
Editorial

सशक्त हुई भारतीय नौसेना

नौसेना बल की उपलब्धियां और राष्ट्र में उनके योगदान का वर्णन जितना किया जाए, उतना कम होगा। आज भारत में ही नहीं, पूरे वर्ल्ड में हमारी नौसेना की वाहवाही होती है, क्योंकि वह दिनों दिन अपने नए-नए प्रयोगों से नित नई ऊंचाइयां छू रही है। इस कड़ी में अब एक और नया अध्याय जुड़ गया है। नौसेना में आधी आबादी ने दस्तक दे दी है। इसी सीजन में एक हजार 'अग्रिवीर महिला सैनिक' नौसेना में शामिल हुई हैं जिससे इस टुकड़ी की न सिर्फ ताकत बढ़ी, बल्कि उनके अनुशासन कार्यान्वयन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आना शुरू हुआ। आज 'नौसेना दिवस' है। इस बार ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें अब महिलाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित हो गई है। नौसेना में पहली मर्तबा 'नौसेनिक पोत' पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। बहरहाल, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना के इतिहास और आज के खास दिवस की बात करें, तो उसका एक सुनहरा युग हमने व्यतीत किया है। सन 1971 के इंडो-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के शुरू होने की याद में हमारी सेना प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को 'नौसेना दिवस' का पर्व मनाती है। इंडियन नेवी की पूर्ण स्थापना की जहां तक बात है तो श्रीगणेश 1612 में हुआ। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने 'रायल इंडियन नेवी' नाम से अपनी सेना बनाई थी। उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कमर्शियल शिपों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस सैन्य का गठन किया था। पर, आजादी मिलने के बाद स्वतंत्र व्यवस्था ने 1950 में भारतीय नौसेना के रूप में पुनर्गठित कर दिया। नेवी डे समुद्री सीमाओं को सुरक्षित सहजने और जलीय ऑपरेशन व मिशनों को मुकम्मल करने के तौर पर भी याद किया जाता है।

कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती

हृदयनारायण दीक्षित



अस्तित्व में दो नहीं। यहां द्वैत नहीं है। वेदांत अनुभूति में इसे अद्वैत कहा गया। ऋग्वेद के एक ऋषि ने इसे 'पुरुष' कहा और बताया कि जो भूतकाल में अब तक हो चुका और जो आगे होगा वह सब पुरुष ही है। पुरुष एक है। इसी के भीतर सम्पूर्णता है। यही बात ऋग्वेद में 'अदिति' के लिए कही गई है और छान्दोग्य उपनिषद में 'भूमा' के लिए। भूमा सम्पूर्णता का पर्याय है। पूर्ण भारतीय दर्शन की अनोखी खोज है। 'पूर्ण' असीम विराट है। संख्या गणित का विषय है। विराट अस्तित्व के रहस्य गणित की पकड़ में नहीं आते। गणित में बड़ी से बड़ी संख्या भी पूर्ण का ही भाग होती है। कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती। 'पूर्ण' वैदिक पूर्वजों का आत्मीय विषय रहा है। 'शतपथ ब्राह्मण' उतर वैदिक काल का प्रमुख सामाजिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक व दार्शनिक ग्रंथ है। इसमें संख्या व गणित के तमाम उल्लेख हैं लेकिन इसी के अंश वृहदारण्यक उपनिषद

(पांचवें अध्याय) में पूर्ण की रम्य व्याख्या है। बताते हैं-वह पूर्ण है, यह पूर्ण है-पूर्णमदः पूर्णमिदं। मन प्रश्न करता है कि क्या पूर्ण भी दो हो सकते हैं। एक यह पूर्ण और दूसरा वह पूर्ण। इस जिज्ञासा का उत्तर भी इसी मंत्र में है-यह पूर्ण उस पूर्ण का ही विस्तार है-पूर्णात् पूर्णमुदच्यते। शंका तो भी शेष न रहे इसलिए आगे कहते हैं-पूर्ण में पूर्ण निकाल देने पर भी पूर्ण ही बचता है-पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते। भारतीय अनुभूति का यह पूर्ण उल्लासदायी है। प्रगाढ़ अनुभूति और दर्शन में 'पूर्ण' पूरा पूर्ण है। हम सबको अनेक पूर्ण दिखाई पड़ सकते हैं। लेकिन उन्हें पूर्ण नहीं कहा जा सकता। जो वास्तविक पूर्ण है, उस पूर्ण में कुछ भी घटाओ, जोड़ो, गुणा करो, पूर्ण पूर्ण ही रहता है। निस्संदेह गणित में कोई भी अंश या संख्या पूर्ण से छोटी होती है लेकिन पूर्ण अनुभूति में अंश या संख्या भी पूर्ण ही होती है। सारी संख्याएं पूर्ण का ही अविभाज्य अंश हैं और अंश कभी पूर्ण से पृथक अस्तित्व नहीं रखते। इस दृष्टि से हम सब पूर्ण हैं। पूर्णता के बोध के अभाव में अपूर्ण जान पड़ते हैं। अपूर्ण होना दुख है, पूर्ण होना आनंद। वेदों में अनेक देवों की स्तुतियां हैं। पश्चिमी विद्वान इसी आधार पर भारतवासियों को बहुदेववादी बताते हैं। हम भारतवासी बहुदेववादी नहीं, बहुदेव उपासक हैं। ऋषि की घोषणा है कि

इन्द्र, अग्नि तमाम देवता हैं लेकिन सत्य एक है, विद्वान उसे भिन्न-भिन्न ढंग से बताते हैं। तैत्तिरीय उपनिषद में कहते हैं-वह पुरुष और आदित्य में एक ही है। संभवतः कुछ विद्वान पुरुष को और कुछ सूर्य को अलग-अलग बताते रहे होंगे। ऋषि दोनों को एक बताते हैं। पूर्णता सनातन प्यास है। हम सब अपूर्ण हैं। भोजन या पानी की प्यास अपूर्णता का संदेश है। सांसारिक उपलब्धियों की इच्छा भी हमारी अपूर्णता की ही सूचना है। इच्छा, अभिलाषा या आकांक्षा अपूर्णता के ही बोधक हैं। तनावग्रस्त होने का कारण भी हमारी अपूर्णता है। हम अतृप्त हैं। हम किसी भी मार्ग या उपाय से समृद्धि चाहते हैं और समृद्धि अतिशीघ्र नई रिक्तता में बदल जाती है। सुख फिसल जाता है, दुख घेर लेता है। प्रकृति सृष्टि सम्पूर्णता है। सम्पूर्णता में ही रहती है। सम्पूर्णता में ही प्रकट होती है। यहां सामान्य गणित नहीं है। पूर्ण से पूर्ण घटा देने पर शून्य नहीं बचता। यहां अस्तित्व की सम्पूर्णता का सुन्दर विवेचन है-मेरा मन ऐसा ही मंत्र गढ़ने को उतावला है-मैं अपूर्ण हूं। हम सब अपूर्ण हैं। मैं में हम घटाओ तो अपूर्ण मैं ही बचता है। मैं दुख है, हम होना सुख है और सम्पूर्ण होना आनंद। सम्पूर्णता की प्यास स्वाभाविक ही गहरी ही होनी चाहिए।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

Today's Opinion

मायावती के लिए आत्मचिंतन का समय



रमेश सर्राफ धमोरा

हाल ही के राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का ग्राफ तेजी से गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का पूरी तरह सूपड़ा ही साफ हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार के बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली। इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में यहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली उसके साथ ही वोटों में भी गिरावट दर्ज हुई है। यहां बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला। यहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेना नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश के

विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी प्रत्याशी नहीं जीत पाया था। यहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में यहां बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जब्त हो गई थी। यहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उत्तराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधाक हैं। उत्तर प्रदेश की स्थिति देखें जहां से बसपा का जन्म हुआ था, वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटों के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। 2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे। इन आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन

समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देख तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार व हरियाणा में एक कुल पांच सीट जीती थी तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 6 पंजाब से तीन व मध्य प्रदेश से दो यानि कुल 11 सीट जीती थी तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने मध्य प्रदेश में एक पंजाब में एक व उत्तर प्रदेश में एक कुल तीन सीट जीती थी वहीं 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने उत्तर प्रदेश में तीन व पंजाब में एक कुल चार सीट जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ये एक्सरसाइजेस आपको रखेंगी फिट और स्मार्ट

अपने स्वास्थ्य को लेकर हम सभी कुछ नई और अच्छी हैबिट्स अपनाने की सोचते हैं जिसमें फिटनेस सबसे टॉप पर होता है लेकिन कैसी एक्सरसाइजेस से इसकी शुरुआत करें ये समझ नहीं आता। किसी को अपना पेट कम करना है तो किसी को वेट, वहीं किसी को बाइसेप्स बनाने हैं तो किसी को ओवरऑल बॉडी टोन करनी है। इसकी वजह से और ज्यादा कनफ्यूज़न हो जाती है।

तो अगर आपने भी खुद को फिट रखने का वादा कर लिया है, तो हम आपको सजेस्ट करेंगे कुछ ऐसे ईजी वर्कआउट्स, जो आपको फिट एंड फाइन रखने के साथ ही अपर से लेकर बॉडी तक के लिए हैं बेहद फायदेमंद। तो डाइट के साथ इन एक्सरसाइजेस को भी बनाएं अपने रूटीन का हिस्सा। जिसका असर आपको अपनी बॉडी पर कुछ ही दिनों में नजर आने लगेगा।

कई बीमारियां दूर रहेंगी और आप लंबे



समय तक स्वस्थ जीवन जी सकेंगे।

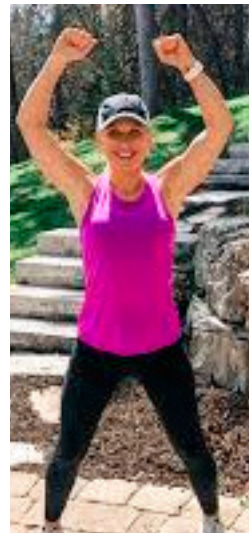
जंपिंग जैक

जंपिंग जैक बेसिक लेकिन बेहद फायदेमंद एक्सरसाइज है। इस एक्सरसाइज को करने से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही थाईरॉयड भी स्ट्राना होती है। पेट की चर्बी कम होने लगती

है। इस एक्सरसाइज को करने से पहले हाथ और पैरों की हल्की-फुल्की स्ट्रेचिंग जरूर कर लें, जिससे इंजुरी की संभावना कम हो जाती है।

स्किपिंग रोप

रस्सी कूदना भी आसान एक्सरसाइज में



जाने के बाद आप इसे बढ़ा भी सकते हैं। एक सेट में कम से कम 30 से 50 बार जंप करने की कोशिश करें।

स्क्वॉट जंप

स्क्वाट जंप भी ओवरऑल बॉडी को टोन करने

शामिल है। इसका असर भी आपको काफी कम दिनों में देखने को मिल सकता है। इसके रोजाना दो से तीन सेट्स करने की कोशिश करें। अच्छी प्रैक्टिस हो

वाली बेहतरीन एक्सरसाइजेस में से एक है। इसे करने से बॉडी में ब्लड का सर्कुलेशन सही तरह से होता है। जिससे कई सारी समस्याएं दूर रहती हैं, साथ ही कम समय में अच्छी-खासी कैलोरीज बर्न की जा सकती है।

सर्दियों में वर्कआउट करने का बेस्ट टाइम

सर्दियों के मौसम में भी वर्कआउट करने का बेस्ट टाइम सुबह ही है। इसकी वजह है कि सुबह एक्सरसाइज कर लेने से पूरे दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

वर्कआउट करने से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है, जो पूरे दिन आपको एक्टिव रखने में मदद करता है। ठंड में सुबह उठकर कसरत करने के लिए आलस्य छोड़ना थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन अपने हेल्थ को ध्यान में रखते हुए, एक्सरसाइज के लिए सुबह का समय ही चुनें।

जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए रोजाना करें मकरासन

आजकल जोड़ों में दर्द आम समस्या है। इस स्थिति में व्यक्ति को जोड़ों में कम या तेज दर्द होता है। कभी-कभार यह दर्द असहनीय हो जाता है। इस वजह से चलने, उठने और बैठने में दिक्कत होती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी की वजह से जोड़ों में दर्द होता है। इसके अलावा, थकान, चोट और बढ़ती उम्र के चलते भी जोड़ों में दर्द होता है।

इस बीमारी से वयस्क अधिक प्रभावित होते हैं। हालांकि, आजकल कम उम्र के लोगों में भी गठिया के लक्षण देखे जाते हैं। अगर आप

भी जोड़ों में दर्द से परेशान हैं और इससे निजात पाना चाहते हैं, तो रोजाना योग और एक्सरसाइज करें। योग के कई आसन हैं। उनमें एक मकरासन है।

इस योग को करने से जोड़ों में दर्द की समस्या से निजात मिलता है। आइए, मकरासन के बारे में सबकुछ जानते हैं-

मकरासन

मकरासन दो शब्दों मकर और आसन से मिलकर बना है। आसन शब्दों में कहें तो मकर की मुद्रा में बैठना मकरासन कहलाता है।

यहां मकर का तात्पर्य मगरमच्छ से है। मगरमच्छ शांत चित से नदी में लेटा रहता है।



इस योग को करने के दौरान मगरमच्छ के समान शांत चित होकर लेटना रहता है। इस योग को करने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है। साथ ही तनाव से भी राहत मिलता है। इसके अलावा, बढ़ते वजन को भी कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

मकरासन कैसे करें

इसके लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर पेट के बल लेट जाएं। इस योग को खाली पेट करना फायदेमंद होता है। अब दोनों कोहनियों को जमीन पर फैलाकर सोने की मुद्रा में आ जाएं। आसन शब्दों में कहें तो अपने सिर को दोनों हाथों पर रखें। वहीं पैरों के

बीच दूरी बनाकर रखें।

इसके अलावा, आप कोहनियों को जमीन पर टीका कर आगे की ओर मुख कर ध्यान मुद्रा में भी मकरासन कर सकते हैं। इस दौरान अपने पैरों की उंगलियों को जमीन से स्पर्श करें। आप इस मुद्रा में मगरमच्छ की भांति विश्राम करते हैं।

मानसिक थकान को दूर करने के लिए आजमाएं ये आसान टिप्स

क्या आप हमेशा थका हुआ और ऊर्जाहीन महसूस करते हैं? क्या आपको लंबे समय से तनाव का अनुभव हो रहा है? अगर हां, तो यह मानसिक थकान का संकेत हो सकता है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान होना आम बात है। व्यस्त जीवनशैली में हम अक्सर कई चीजों को एक साथ निपटाने की कोशिश करते हैं। लंबे समय से काम और तनाव के कारण शरीर के साथ-साथ हमारा दिमाग और मन भी थक जाता है।

अक्सर लोग मानसिक थकान को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना आपकी शारीरिक और मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। तो अब सवाल यह उठता है कि मानसिक थकान को कैसे दूर करें? आज हम आपको मानसिक थकान को दूर करने के उपाय बताने जा रहे हैं

1. धूप में बैठें

अगर आप हर समय खुद को थका हुआ महसूस करते हैं, तो रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठें। यह खुद को रिचार्ज करने का सबसे सरल

तरीका है। सूरज की रोशनी से हमारे शरीर और दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रोज धूप में बैठने से शरीर में विटामिन डी की आपूर्ति होती है, जिससे आप ऊर्जावान महसूस करते हैं। इसके लिए दिन में कम से कम 30 मिनट के लिए धूप में जरूर बैठें।

2. अच्छी और गहरी नींद लें

मानसिक थकान को कम करने के लिए अच्छी और गहरी नींद बहुत जरूरी है। नींद पूरी न होने के कारण आपकी मानसिक थकान बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए पूरे दिन में कम से कम 8 घंटे जरूर सोएं। अगर आपको नींद से

जुड़ी कोई परेशानी है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

3. ब्रेक लें

लगातार काम करते-करते आपका शरीर ही नहीं, दिमाग भी थक सकता है। मानसिक थकान के कारण आपको किसी भी काम पर फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में, दिमाग की थकान मिटाने के लिए काम के बीच में कुछ छोटे-छोटे ब्रेक लेना मददगार हो सकता है। इसके लिए थोड़ी देर के लिए काम से दूर हो जाएं और बॉडी की स्ट्रेचिंग करें। इस समय में आप एक कप कॉफी या अपने पसंदीदा संगीत का आनंद ले सकते हैं। ब्रेक लेने से आप खुद को रिलैक्स और रिफ्रेश महसूस करेंगे।



4. व्यायाम करें

मानसिक तनाव से बचने के लिए अपने रूटीन में व्यायाम को शामिल करें। रोजाना व्यायाम करने से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। इसके लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करने की कोशिश करें।

इससे आपकी मानसिक थकान कम होगी और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आप रोजाना ध्यान और योग का अभ्यास भी कर सकते हैं।

5. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से ब्रेक लें

आजकल की डिजिटल दुनिया में हमारा ज्यादातर समय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ गुजरता है। दिनभर मोबाइल और लैपटॉप आदि से जुड़े रहते हैं। इससे हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित होता है। मानसिक थकान से बचने के लिए टेक्नोलॉजी से ब्रेक लें। खुद को कुछ समय के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूर करके आप मानसिक तौर पर फ्रेश महसूस करेंगे।

सहज और सरल भाव से पाठकों के अंतः तक पहुंचती हैं रचनाएं



डॉ. पुष्पा जोशी

बहरुपिया चांद जैसा कि इस काव्य-संग्रह का नाम है। वास्तव में चांद बहरुपिया ही है। सत्ताईस नक्षत्रों को एक-एक दिन स्वयं में आत्मसात करता हुआ अपने आकार को प्रतिदिन परिवर्तित करता रहता है।

कभी दूज का चांद कभी परेवा का चांद कभी चौथ का चांद कभी पूरी तरह अदृश्य अमावस्या का कभी पूर्णरूप धर अपनी अद्भुत छटा बिखेरता चांद..... अब देखते हैं डॉ. ज्योत्सना जी का चांद कैसा है.....

चांदी से चमकीले
कभी पीले कभी नीले
रौशनी से भरे-भरे
तारों संग इठलाते हो
बहरुपिया हो चांद तुम
कभी मामा, कभी भाई
कभी बेटा, कभी साजन

कभी गहना, कभी दुल्हन मुझे लगता है चांद के रूप वर्णन करने से कोई लेखक, कवि अछूता नहीं रहा होगा। गद्य हो या पद्य चांद सभी जगह अपनी पकड़ बनाए रहा। हमारी डॉक्टर साहिबा ने तो चांद को पूरा काव्य-संग्रह ही समर्पित कर डाला।

कवयित्री का प्रथम काव्य-संग्रह ७५ छंदमुक्त कविताओं के साथ काव्य का अमृत महोत्सव मना रहा है। बहरुपिया चांद कविता-संग्रह में कोई भी विषय अछूता नहीं रहा है। मानवता, राष्ट्र, प्रकृति, सम्बन्ध और दोस्ती पर भी कविताएं पाठकों को यहां पढ़ने को मिलेंगी। वैसे भी दोस्ती कविता न रची गई हो तो सब निरर्थक सा लगता है। अरे! दोस्त ही तो दोस्त की आंखों से बरसात की बूंदों में से आंसू पहचान लेता है। 'दोस्ती' 'दोस्त हैं वो मेरा' 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' इन तीनों कविताओं का निचोड़ रही है.....

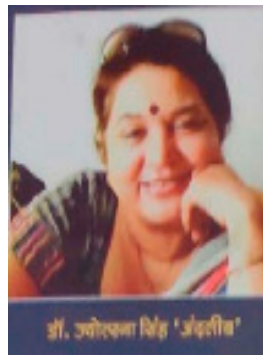
बिन दोस्त जीना
क्या जीना, दोस्त
खूं के रिश्ते से भी
अजीब लगते हैं
दोस्त के लिए कही गई इस बात को किसी

कसौटी की आवश्यकता नहीं।' पूनम की रात आज 'कविता में उत्कृष्ट श्रृंगार की छटा देखते ही बनती है-

ओढ़ के चूनर सितारों भरी
निकला लो चांद आज
यहां चांद का मानवीकरण पाठकों को देखने को मिलेगा।
'परिभाषा प्रेम की' कविता की बानगी देखें...

तोड़ देता कारागार
काट देता लौह बन्धन
लांघता उफनते सागर
तोड़ता हर वर्जना
कुछ भी कर सकता है प्रेम
क्योंकि प्रेम तो बस प्रेम है
मेरे विचार से प्रेम को परिभाषित नहीं किया जा सकता। वह तो अनंत है, असीम है, अद्भुत अनुभूति का द्योतक है। प्रेम की कल्पना परिकल्पना उसे बांध नहीं सकते।

'प्यारी हिन्दी', 'तेरे लिए ऐ देश मेरे', 'गुरु महिमा' कविताएं अलग-अलग कलेवर से पाठकों को अपनी भाषा का मान, देश की शान और गुरु की सम्मान करने की सीख देंगी।



और सरल भाव से पाठकों के अंतः तक पहुंचने का प्रबंध कर लिया है। आपकी काव्य का स्थाई भाव उत्कृष्टता में विराट का सृजन करे। ज्योत्सना जी आप कालजयी सृजन करती हुई कविता यात्रा में अग्रसर हों।

'लो जी होली तो होली',
'आज रंग है', छिपाओ न प्रीत.....
होली के रंगों से पाठकों को सराबोर करती हुई कविताएं फाग के माह में पहुंचा देंगी। डॉ. ज्योत्सना जी काव्य-संग्रह का श्री गणेश सरस्वती वंदन फिर गुरुओं के नमन से किया है।

मेरा मानना है कि अपने प्रथम काव्य-संग्रह बहरुपिया चांद में कवयित्री डॉ. ज्योत्सना सिंह जी ने अपने शब्द-चयन और शिल्प-सौष्ठव में परिपक्वता का परिचय देते हुए अत्यंत सहज

बहरुपिया चांद आपके लिए मील का पत्थर साबित हो। अमृत प्रकाशन को भी उत्कृष्ट काव्य-संग्रह प्रकाशित करने के लिए हार्दिक बधाई देती हूं। डॉ. ज्योत्सना जी को बहरुपिया चांद कविता-संग्रह के आत्मिक बधाई, शुभकामनाएं देती हूं।

पुस्तक समीक्षा-बहरुपिया चांद (कविता-संग्रह)

रचयिता-डॉ. ज्योत्सना सिंह 'अंदलीब'
छंदमुक्त कविताएं-75 मूल्य-350 रूपए
पृष्ठ-168 अमृत प्रकाशन दिल्ली

पूजा 'बहार'



उसने बिना मांगे सब कुछ दिया।।

दर्द दिया
तन्हाई दी
आँसू दिए
बेवफाई दी।।

जमाने भर के
गम दिए।।

रुसवाईयां दीं
नहीं दिया तो बस
वो थोड़ा सा
वक्त।।

जिस पर
मेरा हक्र था
सिर्फ मेरा!!!



राजा मीना
मीना हाईकोर्टनांगल राजावतान
दौसा (राज.) मो.9782253457

कविता : मां

मां ऐसा कहती है
संभल संभल के चलना बेटा
दुनिया की राहों में कष्ट बहुत आएगा बेटा
जीवन की इन पड़ावों में
ये संसार ऐसा ही है
जिसने सीता माता पर भी
मिथ्या आरोप लगाया था
तुम तो साधारण सी लडकी हो
दुनिया कि बातो उलझ गई तो
मार्ग भटक जाओगी
सोच समझकर निर्णय लेना बेटा

दुनिया की इन राहों में
द्रौपदी की लाज बचाने
कृष्ण मुरारी आये थे
अब तो कलयुग है कृष्ण कहां से आएंगे
कैसे तुम्हें बचायगे
तुम्हें अपनी लड़ाई
स्वयं लड़नी होगी वीरागना बनकर
अपनी रक्षा स्वयं करनी होगी
यदि हिम्मत हार गई तो
कैसे तो कैसे लड़ पाओगी
हिम्मत साहस से चलना बेटा
दुनिया की इन राहों में।।



अशोक व्यास

चाय को अंतर्राष्ट्रीय पेय की मान्यता शायद अभी तक नहीं मिली हो लेकिन एक आम भारतीय सुबह उठकर भगवान का नाम भले ही न ले परन्तु वह चाय को इतनी शिद्दत से याद करता है कि सारी कायनात उसकी इच्छा को पूरी करने के लिये परिवार सहित जुट जाती है। साथ में परिवार के सदस्य भी चाय पीने के लिये लालायित होने लगते हैं। इसी वजह से भारत में चाय को भारतीयों ने अधोषित रूप से राष्ट्रीय पेय का दर्जा दे रखा है और अनुमान है कि विश्व में सबसे अधिक चाय उत्पादन के साथ साथ सबसे अधिक चाय पीने का सोभाग्य भी हमें ही प्राप्त है।

हम सुबह उठने से लेकर रात को सोने के समय तक कभी भी चाय पी सकते हैं चाय पीना हमारा सबसे बड़ा शौक है, पेशन है। उसकी गरिमा कम ना हो जाये इसलिए जैसे पेट्रोल के दाम यदाकदा बढ़ जाते हैं उसी प्रकार सरकारी और गैर सरकारी दूध बेचने वाले भी दूध के दाम अक्सर बढ़ा देते हैं। अगर नहीं बढ़ाएं तो लगता है कि चाय की प्रतिष्ठा कहीं कम तो नहीं हो गई है। अतः दूसरे ही महीने फटाक से दूध या चायपत्ती या शक्कर में से किसी ना किसी के दाम बढ़ ही जाते हैं तब जाकर छाती में टंडक नहीं गर्मी का

व्यांग्य: सुबह और शाम चाय का नाम

एहसास होने लगता है। वैसे अब आवश्यक वस्तुओं का भाव बढ़ने से कोई आश्चर्य नहीं होता है क्योंकि इससे हमारी क्रय शक्ति बढ़ने का सरकार को पता चलता रहता है जिससे उसे टेक्स बढ़ाने में सुविधा हो जाती है। अगर दाम नहीं बढ़े तब जरूर ऐसा लगता है कि आम आदमी की किरकरी हो गई हो कि यह साला चाय का खर्च भी वहन करने की कुव्वत नहीं रखता है। दूध के दाम बढ़ गए तो ऐसा लगा जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे कच्चे तेल के दाम बढ़ गए हो। चाय पत्ती पहले ही 'पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने' की तरह हो गई है शक्कर की मिठास किसान को गन्ने पर मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है। मतलब यह है कि भारतीय अपना राष्ट्रीय पेय पीने पर गर्व की अनुभूति कर सकते हैं। कुछ तो चाय की ज्यादा तारीफ करके हमने ही उसकी आदतें खराब की कि वो स्पेशल हो गई है क्योंकि पहले होती थी चाह वाली चालू चाय और अब वह बन गई है गोल्डन, कड़क मीठी स्पेशल चा.....य जब वह वाकई में चालू हुआ करती थी तब उसकी जो इज्जत थी वह इस कारण थी कि चाय तब ही चाय मानी जाती थी जब वह लबसोज हो, लबदोज हो और लबरेज हो यानी चाय इतनी गरम हो की होंट

जल जाए, इतनी मीठी हो की होंट चिपक जाए और प्याले में इतनी भरी हो कि प्लेट में डालकर सुड़कते हुए पिया जाए।

एक जमाना था जब चाय पीते हुए एक से बढ़कर एक चर्चाएं होती थी उसके बाद एक दौर आया की चाय पीते हुए चर्चा नहीं बल्कि खुद चाय पर चर्चा होने लगी इस चक्कर में सरकारों की चला चली के बेला आ गई थी। बताओ भला यह क्या बात हुई कि जो बातें चाय पीते हुए होती थी उसे छोड़कर सब चाय पर चर्चा करने लगे। इस चक्कर में आजकल चाय पीने वालों का अवमूल्यन होने लगा है किसी से चाय पीने का पूछो तो कोई कहेगा नहीं मैं चाय नहीं पीता हूं, दूसरा कहेगा बस थोड़ी सी देना,

चौथा कहेगा मैं तो काफी पीता हूं, पांचवा कहेगा मैं तो कुछ और पीता हूं, यह तो सरासर अपमान है अंग्रेजों की दी गई नेमत का। हालांकि उसमें भारतीय किचन के जितने मसाले हैं उसे डालकर हम उसे अमृत बना चुके हैं। अब यह हो रहा है कि चाय की चर्चा नहीं, चाय पर चर्चा नहीं, चाय पर खर्च की बात होने लगी। मंहगी चाय पत्ती, पेट्रोल के बढ़ते दामों की तरह अचानक दूध के दाम में बढ़ोतरी, अंतरराष्ट्रीय बाजार में शक्कर की

कमी के कारण निर्यात करना यह सब फालतू बातें होने लगीं। पुराने लोगों से पूछो तो वह कहेंगे 'साहब चाय तो हमारे जमाने में पी जाती थी यह नए लोग क्या जाने एक प्याली में दो घूंट भी बड़ी मुश्किल से पी पाते हैं। हमारे जमाने में तो थाली में डालकर चाय पीते थे। उसके बाद गिलास भरकर पीने लगे फिर कप प्लेट का जमाना आ गया तो उसमें भी हमने कोई कमी नहीं की थी दो कप चाय से कम नहीं पीते थे वर्ना तोहीन मानी जाती थी चाय की और पीने वाले दोनों की'.

चाय का जीवन में पिछली शताब्दी में इतना महत्व था कि जब भी किसी जवान हुई कन्या की मां को उसकी शादी का ख्याल आता था तो वह होने वाले दामाद को चाय पर बुला लेती थी। तब वह कन्या भी फट से समझ जाती थी और अपने प्रेमी से गा गा कर कहती थी कि 'शायद मेरी शादी का ख्याल दिल में आया है इसीलिए मम्मी ने मेरी तुम्हें चाय पर बुलाया है'.

सगाई संबंध कराने में चाय का इससे बड़ा सामाजिक योगदान क्या हो सकता है। सत्तर अस्सी के दशक में तो कन्या के हायर सेकेंडरी करने के बाद होम साइंस से प्रैजुएट करने को शादी से पूर्व का वेंटिंग इन पीरियड

माना जाता था। तब और कुछ सीखती या ना सीखती टीकोजी बनाना जरूर सीखती थी। आज की पीढ़ी अगर सुन ले तो उसे कोई पारले जी की तरह कोई बिस्कुट समझ ले जबकि यह भी अंग्रेजों की देन थी।

उस समय टीकोजी का एक ही बार इस्तेमाल होता था जब लड़का उस कन्या को देखने आता था। तब कन्या सर पर पल्ला रखकर आहिस्ता और सधे हुए कदमों से चलकर आती थी घरवाले कहते थे 'बेटी मेहमानों को चाय पिलाओ' तब वह छोटी बहन या भाभी द्वारा पहले से लाई गई घर के एकमात्र टीसेट जिसका काम भी एक ही बार पड़ता था उस की केटली से टीकोजी ऐसे उठाती थी जैसे किसी का घूंट उठाया जा रहा हो। तब एक हाथ से केटली के हैंडल को और दूसरे हाथ को ढक्कन पर रखकर कप में चाय भरकर मेहमानों को देती थी। इस सारी प्रक्रिया को लड़के के साथ आने वाली महिलाएं इतनी तीक्ष्ण दृष्टि से देखती थी जैसे होम साइंस प्रैक्टिकल का परीक्षक देख रहा हो। बिना आवाज किए, बिना चाय गिरे अगर लड़की ने चाय को पेश कर दी तो समझो प्रैक्टिकल में पूरे नंबर मिल गए आगे तो संबंध पक्का होना ही समझो।

इसी प्रकार कोई भी धार्मिक कर्मकांड बिना चाय का दौर चले पूरा नहीं माना जाता है उसमे पूजा सामग्री के साथ चाय का भी प्रावधान करना पड़ता है।

BNM Fantasy



नेहा मलिक ने फिर लूट लिया फैस का दिल

भोजपुरी सिनेमा हॉट एक्ट्रेस नेहा मलिक सिजलिंग, ग्लैमरस और बोल्ड लुक की वजह से सोशल मीडिया में चर्चा में रहती हैं। फैस उनके बोल्ड और हॉट फोटोज का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। एक बार फिर नेहा ने अपनी तस्वीरों शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। फैस उनकी कातिलाना अदाओं से नजरें ही नहीं हटा पा रहे हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। नेहा मलिक की ये तस्वीरें टुबई में उनके वेकेशन की हैं। नेहा मलिक ने फ्लोरल प्रिंट ऑफ शोल्डर गाउन में खूबसूरत लग रही हैं। फैस उनके स्टाइलिश और बोल्ड लुक से उनके दीवाने हो गए हैं।

द

दीपिका पादुकोण की तस्वीर ने फिर चुराया रणवीर सिंह का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म फाइटर को लेकर हर तरफ छाई हुई हैं। फिल्म का नया गाना बीते दिन रिलीज किया गया है। दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की कैमिस्ट्री काफी सुर्खियों में बनी हुई है। लेकिन दीपिका के फैस उन्हें उनके पति रणवीर सिंह के साथ देखना काफी पसंद करते हैं और दोनों के बीच की ऑफ स्क्रीन कैमिस्ट्री फैस का दिल जीत लेती हैं। रील लाइफ या रियल लाइफ रणवीर हमेशा दीपिका के जिंदगी में हीरो का किरदार निभाते नजर आते हैं। दरअसल दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है। एक्ट्रेस की तस्वीर इस कदर हसीन है कि हर कोई अपना दिल हार बैठा है। ब्लू कलर की साड़ी में दीपिका बला की खूबसूरत लग

रही हैं। ऐसे में एक्टर और पति रणवीर सिंह अपने इमोशन्स पर काबू नहीं रख पाए और दीपिका की तस्वीर पर कमेंट कर डाला। रणवीर ने लिखा, हाय माई जान। इस कमेंट से साफ है कि दीपिका की तस्वीर देख रणवीर का दिल उनके लिए फिर धड़क उठा है। रणवीर सिंह के इस कमेंट ने उनके और दीपिका के फैस का भी दिल जीत लिया है। रणवीर सिंह अपनी पत्नी पर इसी तरह प्यार लुटाते हुए नजर आते हैं। दीपिका और रणवीर बॉलीवुड की हिट जोड़ियों में से भी एक हैं। दोनों ने साथ में कई हिट फिल्में दी हैं। रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी फिल्मों के जरिए इस जोड़ी ने फैस के दिलों में अपनी जगह बनाई है। वहीं हाल ही में रामलीला के 10 साल पूरे हुए थे।



घुंघरू पहन अक्षरा सिंह ने जमकर लगाए ठुमके

नए भोजपुरी गाने का टीजर आउट



अक्षरा सिंह का लेटेस्ट वीडियो रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में एक्ट्रेस के अपकमिंग गाने का टीजर लॉन्च हुआ है। इस क्लिप को भोजपुरी फैस खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि अक्षरा एक बार फिर अपने फैस को दीवाना बनाने वाली हैं। सोशल मीडिया पर अक्षरा इस वक्त छाई हुई हैं। भोजपुरी की मशहूर अदाकारा अक्षरा सिंह एक बार फिर छाई हुई हैं।

हाल ही में उन्होंने अपने अपकमिंग गाने का नया पोस्टर शेयर किया है। बता दें अक्षरा का एक नया गाना रिलीज होने वाला है जिसका टीजर सामने आया है। एक्ट्रेस ने पोस्टर शेयर कर टीजर की जानकारी साझा की है। चलिए जानते हैं कौन सा है वो गाना और कैसा है टीजर? अक्षरा सिंह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। लाल रंग के आउटफिट में अक्षरा की खूबसूरत गर्दा उड़ा रही है। लेकिन, उनके आने वाले गाने का टीजर कितना धमाल मचाता है ये तो आप इसे देखने के बाद ही बता पाएंगे। बता दें कि एक्ट्रेस के नए वीडियो साँना का नाम घुंघरू है जिसका इंतजार अक्षरा के फैस को बड़ी ही बेसब्री से है। अक्षरा

सिंह का धमाकेदार टीजर रिलीज के साथ ही भोजपुरी फैस के बीच छा गया है। एक्ट्रेस के फैस इस टीजर क्लिप पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं अक्षरा ने लाल रंग का लहंगा पहन रखा है। साथ ही, घुंघराले बालों में उनकी खूबसूरती का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है। इस टीजर क्लिप में अक्षरा सिंह को अलग अंदाज में देख कर उनके फैस बेहद एक्साइटेड हो रहे हैं। उनके गाने का उन्हें बेसब्री से इंतजार है। बता दें कि भोजपुरी इंडस्ट्री में अक्षरा की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। उन्होंने कई सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले गाने को अक्षरा के फैस कितना प्यार देते हैं?



कोयंबटूर कार विस्फोट मामला में तमिलनाडु के 20 स्थानों पर छापेमारी



चेन्नई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अलग-अलग टीमों ने शनिवार को राज्य के 20 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। आतंकी संगठन आईएसआईएस से संपर्क के संदेह में तिरुचिरापल्ली, मदुरै, कोयंबटूर जिले में यह कार्रवाई की गई है। एनआईए अधिकारियों ने कोयंबटूर शहर में 11 लोगों के आवासों और ओथकलमंडपम में एक घर पर तलाशी ली।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2022 में कोयंबटूर शहर के कोट्टईमेडु में संगमेश्वर मंदिर के सामने हुए कार विस्फोट के बाद एनआईए अधिकारियों को पता चला कि इस्लामिक क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों का इस्तेमाल भोले-भाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के लिए किया गया था और पिछले साल मामला दर्ज किया गया था।

एनआईए ने 16 सितंबर, 2023 को कोयंबटूर, चेन्नई और हैदराबाद सहित 31 स्थानों पर एक साथ तलाशी ली थी। इस दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप और हार्ड डिस्क जब्त किए गए थे। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की गहनता से जांच में पता चला कि कोयंबटूर के युवाओं के एक वर्ग का आईएसआईएस समर्थकों से संबंध था।

आप का ऐलान

पंजाब व चंडीगढ़ की सभी लोकसभा सीटों पर लड़ेगी पार्टी: केजरीवाल

बीएनएम@चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन आईएनडीआईए को झटका देते हुए ऐलान किया कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 13 और चंडीगढ़ की लोकसभा सीट पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

केजरीवाल शनिवार को पंजाब के खन्ना जिले में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई मुफ्त राशन वितरण योजना के शुभारंभ के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। केजरीवाल ने साफ किया कि आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ लोकसभा सीट समेत पंजाब की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आने वाले दो सप्ताह के भीतर सभी 14 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया जाएगा। केजरीवाल के इस बयान के बाद पंजाब में भी

आईएनडीआईए लगभग समाप्त हो चुका है। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस गठबंधन से किनारा कर चुके हैं।

केजरीवाल ने कहा कि हमारे देश को आजाद हुए 75 साल हो गए। राशन ऊपर से आता था, लेकिन लोगों तक नहीं पहुंचता था। मंत्री, नेता, सरकारी ऑफिसर खा जाते थे। ये नहीं था कि ये चोरी रुक नहीं सकती थी, नीयत नहीं थी। अब ईमानदार सरकार आई है। इस दौरान पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि जो आटा उनके व उनके मंत्रियों के घर पकता है, वही आटा अब स्क्रीम के तहत लोगों के घरों तक पहुंचेगा। अब से हर महीने खुद राशन लोगों के घर आया करेगा। जिसे आटा चाहिए, उसे आटा और जिसे चावल चाहिए, उसे चावल दिए जाएंगे। सरकार अच्छी क्वालिटी का आटा देगी।



हमारे देश को आजाद हुए 75 साल हो गए। राशन ऊपर से आता था, लेकिन लोगों तक नहीं पहुंचता था। मंत्री, नेता, सरकारी ऑफिसर खा जाते थे। ये नहीं था कि ये चोरी रुक नहीं सकती थी, नीयत नहीं थी। अब ईमानदार सरकार आई है।
-अरविंद केजरीवाल

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य में डेयरी किसानों का दूसरा सबसे बड़ा व्यवसाय है। अब पंजाब के वेरका को प्रमोट किया जाएगा। दिल्ली में वेरका को दूध

पहुंचाने की परमिशन मिल गई है। अब वेरका अपना दूध एवं अन्य उत्पाद दिल्ली तक लेकर जाएगी। इसके बाद पश्चिम बंगाल का रुख किया जाएगा।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा को छोड़ अन्य क्षेत्रों से कर्फ्यू हटा

देहरादून/नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जिला स्थित हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हिंसा के बाद वहां की स्थिति नियंत्रण में है। यह पूरा क्षेत्र पुलिस और आईटीबीपी के हवाले है। कर्फ्यू के क्षेत्र की सीमा में आज सुबह से संशोधन किया गया है। अब बनभूलपुरा क्षेत्र को छोड़कर जहां अन्य क्षेत्रों में कर्फ्यू हटा दिया गया है वहीं हल्द्वानी के बनभूलपुरा मामले में नैनीताल पुलिस ने 5 उपद्रवी गिरफ्तार किए गए हैं। अति आवश्यक सामग्री की आपूर्ति सामान्य चल रही है। साथ ही शासन ने कुमाऊं आयुक्त को हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए हैं।

एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में गत 8 फरवरी को घटित हिंसा की घटना के मामले में नैनीताल पुलिस ने 3 अभियोग पंजीकृत किये हैं। इनमें से एक अभियोग नगर निगम और 2 पुलिस की तहरीर पर पंजीकृत किये गये हैं। सीसीटीवी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर 5 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है।

नैनीताल पुलिस ने 19 नामजद सहित हजारों अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। इस घटना में शामिल उपद्रवियों को चिन्हित कर राज्य सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई करेगी।

दो दिवसीय यात्रा पर यूई जायेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 13 से 14 फरवरी तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की आधिकारिक यात्रा करेंगे जहां वे अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन करेंगे। वे विश्व सरकार शिखर सम्मेलन 2024 में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेंगे और शिखर सम्मेलन में एक विशेष मुख्य भाषण देंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को उनकी यात्रा की जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार 2015 के बाद से यह प्रधान मंत्री मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की सातवीं यात्रा और पिछले आठ महीनों में तीसरी यात्रा होगी।

कार्यक्रम लखनऊ में आरपीएफ करेगा मेजबानी

67वां अखिल भारतीय पुलिस इयूटी सम्मेलन 12 से 16 तक

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) 12 से 16 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 67वें अखिल भारतीय पुलिस इयूटी सम्मेलन (एआईपीडीएम) की मेजबानी करने के लिए तैयार है। केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव 12 फरवरी को इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। 16 फरवरी को समापन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



उपस्थित रहेंगे।

रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में

कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी अखिल भारतीय पुलिस इयूटी सम्मेलन की केंद्रीय समन्वय समिति ने रेलवे सुरक्षा बल को सौंपी है। कानून प्रवर्तन से जुड़े लोगों के बीच प्रसिद्ध इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंतरिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अपराधों की वैज्ञानिक पहचान और जांच की दिशा में पुलिस अधिकारियों के बीच उत्कृष्टता एवं सहयोग को बढ़ावा देना है।

67वें अखिल भारतीय पुलिस इयूटी

सम्मेलन कानून प्रवर्तन पेशेवरों के लिए एक साथ आने, सीखने और खोजी उत्कृष्टता के उनके सामूहिक प्रयास को मजबूत करने का भी आह्वान है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों को एक-दूसरे के अनुभवों से लाभ मिलेगा, जिससे पूरे बल के पेशेवर प्रदर्शन के मानक में अधिक दक्षता और सुधार होगा। इस सम्मेलन में केंद्र और राज्यों की 29 कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भागीदारी होगी, जिसमें 1230 सदस्य विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।



MADAN RAJ NURSING HOME

HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)

Contact No. - 9801637890, 6200450565, 9113374254

खेला हो गईल का! नीतीश के घर में सेंधमारी?

पटना। बिहार में नयी सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले खेला की चर्चाओं को आज जेडीयू विधायकों की बैठक ने और हवा दे दिया। मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर हुई बैठक में जमकर ड्रामा हुआ। विधायक समय पर नहीं पहुँचे तो नीतीश कुमार गुस्से में बैठक छोड़ कर निकल गये। फिर पार्टी के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। लेकिन बैठक खत्म होने के बाद की रिपोर्ट यह है कि पाँच विधायक गायब रहे। बता दें कि 12 फरवरी को विधानसभा में फ्लोर टेस्ट से पहले सियासी खेला होने की चर्चा आम है। ऐसे में सतर्क हुए जेडीयू नेताओं

ने 9 फरवरी से ही अपने सारे विधायकों को पटना में मौजूद रहने का निर्देश दिया था। पार्टी के सारे विधायकों को शनिवार को मंत्री श्रवण कुमार के आवास पर 12 बजे दिन में पहुँचने को कहा गया था। वहाँ उनकी बैठक के साथ साथ भोजन का भी इंतजाम था। लेकिन शुरू में ही ड्रामा हो गया।

12 बजे शुरू होने वाली बैठक में नीतीश कुमार तकरीबन साढ़े 12 बजे पहुँच गए, लेकिन तब तक बमुश्किल एक दर्जन विधायक ही वहाँ पहुँचे थे। नीतीश कुमार ने विधायकों की इतनी कम तादाद को देखा तो

वे हतथे से उखड़ गये। नाराज नीतीश श्रवण कुमार के आवास से वापस लौट गये।

इसके बाद पार्टी के वरिय नेता सक्रिय हुए, विधायकों को ताबड़तोड़ फ़ोन किये जाने लगा। तब जाकर उनके पहुँचने का सिलसिला शुरू हुआ। एक एक कर विधायक पहुँचने लगे तो नेताओं को थोड़ा चैन आया। लेकिन बैठक और भोज की समाप्ति तक पार्टी के सारे विधायक नहीं पहुँच पाये।

जेडीयू के 45 विधायकों में से 40 विधायक ही शनिवार को श्रवण कुमार के आवास पर पहुँचे। जो पाँच विधायक नहीं

पहुँचे उनके नाम सामने आ गये हैं। जेडीयू सूत्रों के मुताबिक पार्टी के विधायक सुदर्शन, बीमा भारती, दिलीप राय, शालिनी मिश्रा और डॉ संजीव कुमार आज की बैठक में नहीं पहुँचे। पार्टी के नेता इन पाँच विधायकों में से तीन से संपर्क साध पाये हैं।

जेडीयू सूत्रों के मुताबिक पार्टी नेताओं की तमाम कोशिशों के बावजूद दो विधायकों से संपर्क नहीं हो पाया है। वे हैं बीमा भारती और सुदर्शन। बरबीघा के विधायक सुदर्शन पहले से ही नाराज हैं। उनकी नाराजगी नीतीश के करीबी मंत्री अशोक चौधरी से है। सुदर्शन

बरबीघा में ही मौजूद हैं और जेडीयू के नेताओं से बात नहीं कर रहे हैं। वहीं बीमा भारती नीतीश सरकार में मंत्री रहीं लेसी सिंह से नाराज हैं। वे पहले भी खुलकर लेसी सिंह के खिलाफ बोलती रही हैं। बीमा भारती साफ़ कर चुकी हैं अगर इस बार भी लेसी सिंह को मंत्री बनाया गया तो वे पार्टी के साथ नहीं रहेंगी।

जेडीयू की बैठक से आज गायब रहे बाकी के तीन विधायकों ने नहीं आने के कारण बताये हैं। विधायक डॉ संजीव ने बताया कि वे परिवार के साथ गोवा में हैं लेकिन रविवार तक पटना पहुँच जायेंगे।

नीतीश या मेरे घर क्यों नहीं आई ED-CBI?

ललन सिंह की पलटी से तो बीजेपी वाले भी हैरान

पटना। हवा की रूख के साथ जब सियासत न रहे तो फिर उसका लुफ्त राजनेता नहीं उठा पाते हैं। 28 फरवरी से पहले तक ललन सिंह जब संसद में बोलते थे तो 'आग का गोला' मोदी सरकार पर बरसाते थे। मगर, अब हालात बदल गए हैं। बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद ललन सिंह के बोल भी बदले हुए हैं। लोकसभा में जदयू संसदीय दल के नेता ललन सिंह ने न सिर्फ़ ईडी और सीबीआई छापों का बचाव किया बल्कि विरोधी पार्टियों को जमकर सुनाया। ललन सिंह की पलटने से बीजेपी के कई नेता भी हैरान हैं, उनका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं।

संसद में ललन सिंह दावा किया कि मनमोहन सिंह की सरकार में कोयला घोटाला, स्पेक्ट्रम घोटाला, कॉमनवैलथ घोटाला जैसे कई भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ। राज्यों को केंद्र प्रायोजित योजनाओं की राशि में कटौती की गई। कांग्रेस राइट टू एजुकेशन लाने का दावा करती है, मगर, अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान जो 'सर्व



शिक्षा अभियान' लाया गया था।

जनता दल (यूनाइटेड) के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि देश में भ्रम फैलाया जा रहा था कि अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब है और उस भ्रम की स्थिति का पटाक्षेप हो गया। उनका कहना था कि आंकड़ों के आधार पर 'श्वेतपत्र' जारी किया गया है।

जनता दल (यूनाइटेड) के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि देश में भ्रम फैलाया जा रहा था कि अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब है और उस भ्रम की स्थिति का पटाक्षेप हो गया।

मांझी मिले महबूब से

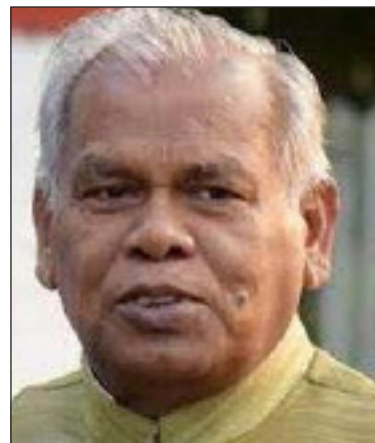
बंद कमरे में क्या हुआ, इंतजार है सबको

बीएनएम@पटना

बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले शनिवार को बलरामपुर से माले विधायक महबूब आलम जीतन राम मांझी से मुलाकात करने पहुंचे हैं। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में मुलाकात हुई है। कहा जा रहा है कि लालू प्रसाद ने मांझी को मनाने के लिए माले विधायक को दूत बनाकर भेजा है। ऐसे में सियासी गलियारे में एक बार फिर मांझी के पाला बदलने की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि हम ने किसी भी तरह के सियासी खेल से इनकार किया है।

नई सरकार के गठन के बाद से ही राजद और कांग्रेस फ्लोर टेस्ट से पहले बड़े खेल का दावा कर रहा था। कहा जा रहा है कि बड़े सियासी खेल की अटकलों के बीच लालू प्रसाद ने अपना आखिरी दांव चल दिया है।

राज्य में एनडीए की सरकार बनने के बाद से ही जीतन राम मांझी एक और मंत्री पद की मांग कर सरकार पर दबाव बना रहे थे। उन्होंने यहां तक कहा था कि कांग्रेस की तरफ से उन्हें



मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया जा रहा है। मांझी ने कहा था कि एक रोटी से उनका पेट नहीं भरने वाला है और पेट भरने के लिए कम से कम दो रोटी की जरूरत है। मांझी के इस बयान के बाद कहा जा रहा था कि वे कभी भी पाला बदल सकते हैं।

हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन ने कहा था कि वे उन्हें जो एक मंत्री पद मिला है वे उससे संतुष्ट हैं। वहीं जीतन राम मांझी ने कहा



था कि वे कुर्सी की लालच में किसी को धोखा नहीं दे सकते हैं और पूरी मजबूती से नीतीश सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैं। अब जब बीजेपी का कोई भी नेता पटना में मौजूद नहीं है तो लालू ने अपनी सियासी चाल चलते हुए बड़े ऑफर के साथ अपने दूत के रूप में माले विधायक को मांझी को मनाने के लिए भेजा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या सही में बिहार में बड़ा खेल होने वाला है?

बोधगया में बीजेपी का ट्रेनिंग कैंप, सम्राट चौधरी का दावा- सभी विधायक पहुंचे

बीएनएम@बोधगया

बिहार भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल होने शनिवार की शाम पहुंचे पार्टी विधायकों व विधान पार्षदों ने एकजुटता दिखायी। प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दावा किया कि सभी विधायक पहुंच चुके हैं। शाम चार बजे उद्घाटन सत्र के साथ प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। विधायकों ने जयश्री राम के नारे भी लगाए। इसके पहले शनिवार को पूरे दिन बारी-बारी से भाजपा के विधायकों व विधान पार्षदों का महाबोधि होटल में पहुंचने का



सिलसिला चलता रहा। सम्राट चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि

कांग्रेस टूटने के कगार पर : बीजेपी

मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि भाजपा विधानमंडल दल का रूटीन वर्क है। जो काम किए गए हैं। उसको जनता के बीच रखेंगे। चलो गांव की ओर अभियान को सफल बनाना है। फ्लोर टेस्ट में हम बहुमत भारी मतों से हासिल करेंगे। कांग्रेस पार्टी टूटने के कगार पर है। राजद के एक दर्जन विधायक रडार से बाहर हैं। वहीं मंगल पांडेय ने कहा कि जो खेला होने की बात करते थे, वे पार्टी बचाने में लगे हैं।

चुनाव की तैयारी, गांव तक पहुंच बढ़ाने आदि पर चर्चा होगी। 45 हजार गांवों को हमलोगों ने चिन्हित किया है।

नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने साढ़े सात करोड़ लोगों को सीधा लाभ पहुंचाया है। हम उनसे भी संपर्क करेंगे। सम्राट चौधरी ने पार्टी के सभी विधायकों के पहुंचने का दावा किया। एक दो विधायकों को लेकर सवाल हुआ तो कहा गया कि वे रास्ते में हैं। दो दिवसीय शिविर के लिए बोधगया के 15 अलग-अलग होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है।

भाजपा और जदयू के 123 और जीनतराम मांझी जी के पार्टी विधायक मिलाकर 128

विधायक हमारे साथ हैं। कहीं से कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि शिविर में लोकसभा



M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL

BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI

Contact No. - 9939047109, 9431203674

सिविल कोर्ट में वरीय अधिवक्ताओं के मृत्यु उपरांत फोटो का अनावरण



बीएनएम@मोतिहारी

जिला विधिज्ञ संघ द्वारा आयोजित स्वागत एवम फोटो अनावरण समारोह में अधिवक्ताओं ने खूब लुप्त उठाया।

प्रिंसिपल जज संदीप सिंह, जिला एवम सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी, जस्टिस आलोक कुमार पांडेय, जस्टिस प्रभात कुमार सिंह और जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष कामाख्या नारायण सिंह ने संयुक्त रूप से दीप जला कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

स्वागत गान एमएस मेमोरियल के बच्चों के द्वारा किया गया वही वरीय अधिवक्ता राजीव शंकर वर्मा सहित अन्य कई वरीय अधिवक्ताओं ने अतिथि न्यायमूर्तियों को सम्मानित किया।

संचालक वरीय अधिवक्ता रमाकांत सिंह ने जिले के कोर्ट की स्थापना सहित जजशिप इतिहास और परंपराओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी वही प्रधान न्यायाधीश संदीप सिंह ने जस्टिस आलोक कुमार पांडेय और प्रभात कुमार सिंह का स्वागत किया। जिला एवम सत्र न्यायाधीश देव व्रत त्रिपाठी ने कहा कि अधिवक्ता न्याय वाहन के अगले चक्के की तरह है और उनकी सुविधाओं के दिशा में काम कर रहा हूँ। मोतिहारी व्यवहार न्यायालय के विकास में अधिवक्ताओं का सहयोग अपेक्षित है। जस्टिस प्रभात कुमार सिंह ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के सम्मान को बढ़ाने की दिशा में हम सभी को मिल कर कार्य करना है।

कार्यक्रम के बाद वरीय अधिवक्ताओं के मृत्यु उपरांत फोटो का अनावरण किया गया।

वरीय अधिवक्ता स्व गिरजा शंकर वर्मा, मो. नजीर, राजीव रंजन चौबे, विदेश्वरी प्रसाद, विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तव, नर्मदेश्वर प्रसाद ललित, सैयद मो ओजैर,

गिरजा प्रसाद, रामजी प्रसाद, नारायण प्रसाद अग्रवाल, सतीश चंद्र प्रसाद आदि के फोटो का अनावरण किया गया। उसके बाद सभी फोटो को मेन हॉल में लगाया गया।

कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व जय राम सिंह, कामाख्या नारायण सिंह सहित कई अधिवक्ताओं ने गाना गा कर कुछ समय के लिए आईपीसी और सीआरपीसी की धाराओं से दूर होकर कार्यक्रम का खूब लुप्त उठाया।

कार्यक्रम की सफलता में जिला विधिज्ञ संघ के महा सचिव नरेंद्र देव ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

स्वर्ण व्यवसायी से लूट

बीएनएम@पताही

प्रखंड क्षेत्र के पदुमकेर के गांव निवासी स्वर्ण व्यवसायी समोद कुमार से गन पॉइंट पर नकाबपोश तीन अपराधियों ने गन पॉइंट पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया। स्वर्ण व्यवसाय ने पुलिस को बताया कि वह पचपकरी बाजार स्थित राजनंदिनी ज्वेलर्सदुकान बंद करके अपने घर पदुमकेर आ रहे थे। इसी बीच पचपकड़ी से बिरती जाने वाली मुख्य पथ चिमनी के पास नकाबपोश लुटेरों ने 25 हजार रुपये एवं लाखों रुपए की सोने चांदी की जेवरात एवं मोबाइल बैग में रखा हुआ था जिसे लूट लिया है एवं तीनों अपराधी पताही की ओर भाग निकले। घटना के संबंध में इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि पीड़ित समोद कुमार चौधरी है। वह पदुमकेर के गांव निवासी है वह पचपकड़ी

बाजार स्थित राजनंदिनी ज्वेलर्स दुकान बंद करके अपने घर जेवरात बैग में रखकर लौट रहे थे। इसी बीच तीन के संख्या में नकाबपोश अपराधियों ने पीछा कर पचपकड़ी से बिरती जाने वाली मुख्य सड़क चिमनी के पास गन पॉइंट पर व्यवसाय का बैग रखे हुए एवं जेवरात लूट की वारदात को अंजाम दिया। व्यवसाय के द्वारा बताया गया कि बैग में रखे तकरीबन लाखों रुपए की चांदी सोने की जेवरात एवं मोबाइल लूट लिया गया है। बदमाश एक ही बाइक पर आए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद वे पताही की तरफ भागने में सफल रहा है सभी सीमा को नाकेबंदी कर दी गई है उक्त रास्ते में लगे सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है घटनास्थल पर पचपकड़ी थाना अध्यक्ष अंजन कुमार, संजय चौधरी धीरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस पहुंचकर मामले की जांच की जा रही है।

बसंत पंचमी को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

हरसिद्धि। थाना परिसर में शनिवार के दिन अगामी 14 जनवरी बुधवार के होने वाले बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। जिसका हरसिद्धि बीडीओ मनोज कुमार पासवान के अध्यक्षता किया गया। वही पर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में डीजे पर पाबंदी रहेगी और सभी जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिकों से अपील किया कि शांतिपूर्ण तरीके सरस्वती पूजा एवं मूर्ति विसर्जन हो। हरसिद्धि अन्तर्गत सभी पंचायतों से मूर्ति पूजा के लिए थाने से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। साथ में तेज तर्रार चौकीदार तफसीर आलम खां ने कहा कि 14 जनवरी से पहले डीजे बजाने वाले संचालक को हिदायत दी जाएगी। मौके पर एस आई सुबोध कुमार सिंह, उमेश पासवान, अनिल सिंह, कुमारी बिभा भारती, पीएसआई अमित कुमार एवं सैकड़ों समाजसेवी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।



स्व गिरजा शंकर वर्मा का आर्टिकल लॉ जर्नल हमेशा रहा आकर्षण का केंद्र

सागर सूरज, मोतिहारी

जिला कोर्ट के निरीक्षी जस्टिस प्रभात कुमार सिंह और न्यायमूर्ति आलोक कुमार पांडेय की उपस्थिति में जिला विधिज्ञ संघ के वरीय अधिवक्ताओं के मृत्युप्रांत सम्मान देने के उद्देश्य से एक दर्जन से अधिक अधिवक्ताओं के फोटो अनावरण कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही भव्य ढंग से किया गया। कार्यक्रम में सभी अधिवक्ताओं के परिजनों को भी सम्मानित करते हुए मोतिहारी बार के विभूतियों को याद किया गया।

ज्यूडिशियल क्वार्टर के उद्घाटन के बाद जिला जज देव व्रत त्रिपाठी और प्रिंसिपल जज संदीप सिंह के साथ दोनों न्यायमूर्ति सीधे जिला विधिज्ञ संघ द्वारा आयोजित स्वागत एवम फोटो अनावरण कार्यक्रम में भाग लिए जिसमें बड़ा ही फ्रेंडली माहौल में कोर्ट और अधिवक्ताओं के बीच हंसी मजाक के बीच जिला कोर्ट के विकास और अधिवक्ताओं के कल्याण की



बाते हुई। स्व गिरजा शंकर वर्मा के पुत्र वरीय अधिवक्ता राजीव शंकर वर्मा ने बॉर्डर न्यूज मिरर से बात करते हुए अपने पिता से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातों को साझा किया।

स्व गिरजा शंकर वर्मा की मृत्यु 9 फरवरी 2019 को हुई। वे 1993 से 1998 तक लगा तार दो टर्म जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष रहे। उन्होंने 1956 में मोतिहारी कोर्ट में ज्वाइन किया और स्टेट बार काउन्सिल के जर्नल में

लगातार अपनी आर्टिकल से लोगों का ज्ञान वर्धन करने वाले चंपारण के अकेले सम्मानित सिविल अधिवक्ता थे। राजीव शंकर वर्मा के दादा जी राम शरण वर्मा भी चंपारण के हस्ताक्षर अधिवक्ता रहे। जिन्होंने अंग्रेजों के कार्य काल में अपनी अद्भुत कानून की जानकारी से देशवासियों को अंग्रेजों के काले कानून से मदद की।

स्व गिरजा शंकर वर्मा किताबी कीड़ा होने



स्व गिरजा शंकर वर्मा के पुत्र वरीय अधिवक्ता राजीव शंकर वर्मा ने बॉर्डर न्यूज मिरर से बात करते हुए बताया कि, स्व गिरजा शंकर वर्मा की मृत्यु 9 फरवरी 2019 को हुई। वे 1993 से 1998 तक लगा तार दो टर्म जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष रहे। उन्होंने 1956 में मोतिहारी कोर्ट में ज्वाइन किया और स्टेट बार काउन्सिल के जर्नल में लगातार अपनी आर्टिकल से लोगों का ज्ञान वर्धन करने वाले चंपारण के अकेले सिविल अधिवक्ता थे।

के कारण मिले नियम लेखक जॉर्ज ऑरवेल के बारे में काफी जानकारी रखते थे। ऑरवेल का जन्म मोतीहारी में हुआ था जिन्होंने 1984 और एनिमल फार्म जैसे कल्ट बुक लिख कर 20 वीं सदी के महान लेखक बने। गिरजा बाबू रोटरी के साथ कई सामाजिक संगठनों में भी अपना योगदान दे कर जन मानस की सेवा करते रहे हैं।

कार्यक्रम के बाद जिला विधिज्ञ संघ के महासचिव नरेंद्र देव ने कहा कि इस कार्यक्रम

के आयोजन की प्रेरणा मुझे वरीय अधिवक्ता राजीव शंकर वर्मा से हुई।

कार्यक्रम का संचालक वरीय अधिवक्ता रमाकांत सिंह ने अपने लच्छेदार हिंदी का प्रयोग करते हुए किया। वही सहायक लोक अभियोजक जयराम सिंह का गीत 'सौ साल पहले मुझे तुम से प्यार था.....' और जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष कामाख्या नारायण सिंह का भोजपुरी गीत हमार पिया भी काफी चर्चे में रहा।

कवि जाँच घर डॉ. संजय कुमार
 Mob.: 7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
 Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
 website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
MBBS (DAR) MD (Microbiology)

भ्रष्टाचार में लिप्त एचएम ने की दबंगई

अनियमितता का वीडियो बना रहे पत्रकार का मोबाइल छीना

बीईओ के हस्तक्षेप के बाद पत्रकार को लौटाया मोबाइल

राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय रुपनी पांडेय टोला का मामला, पत्रकारों में है भारी रोष

बीएनएम@पताही



पताही प्रखंड क्षेत्र के राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय रुपनी पांडेय टोला के एचएम द्वारा नौनिहालों के मिड डे मील में लगातार अनियमितता बरतने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। अनियमितता की शिकायत की बावत शनिवार को कुछेक पत्रकार विद्यालय परिसर में पहुंचकर एचएम करुणेश कुमार से बातचीत कर रहे थे। जब इनमें से एक पत्रकार बातचीत व अनियमितता का

वीडियो बनाने लगा तो एचएम ने अपनी दबंगई दिखाते हुए ₹ आव देखा न तावर्मुहावरा को अक्षरशः चरितार्थ करते हुए उस पत्रकार की मोबाइल छीन लिया तथा उसे दो से तीन घंटे तक बंधक बनाये रखा। अन्य पत्रकारों द्वारा जब इसकी सूचना बीईओ तथा गाँव के बुद्धिजीवियों को मिली तो उनके हस्तक्षेप के बाद पत्रकार को मुक्त किया गया। इस घटना से पत्रकार ही नहीं बल्कि गांव के लोग स्तब्ध एवं सकंटे की हालत में हैं। गांव में

चर्चा का बाजार गर्म है कि सिर से पांव तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डूबकी लगानेवाले एचएम की हिम्मत कैसे हुई कि उन्होंने लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ मीडिया पर भी अपनी दबंगई दिखाने से बाज नहीं आये। लोगों में चर्चा यह भी है की सरकारी निर्देशों का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन करते हुए एचएम करुणेश कुमार द्वारा मिड डे मील के तहत प्रतिदिन के स्थान पर सप्ताह में एक या दो रोज अंडा और फल बच्चों के बीच वितरित करते थे। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विद्यालय से बिना सूचना के कई शिक्षक गायब रहा करते हैं किंतु उन पर कारवाई नहीं की जाती है। विद्यालय में पठन-पाठन का स्तर लगातार गिर रहा है। यहाँ 'सौ चूहा खाकर बिल्ली चली हज को' कहावत चरितार्थ हो रही है जो गहन जांच का विषय है। अभिभावकों ने विभागीय अधिकारियों सहित जिला प्रशासन से एचएम के कार्य संस्कृति की जांच की मांग की है।

नगर निगम से हटाये गये अनुबंध कर्मियों को शीघ्र वापस लो

बेतिया। नगर निगम, बेतिया के पत्र संख्या 360 दिनांक 3 फरवरी के पत्र में बीना वजह 17 अनुबंध कर्मियों को अनुबंध से हटा कर दैनिक वेज पर रखने का आदेश एकबार फिर नगर आयुक्त शम्भू कुमार के तानाशाही रवैया सामने आया है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बिहार म्युनिसिपल वर्कर्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने बताया कि नगर आयुक्त शम्भू कुमार, महापौर श्रीमती गरिमा देवी सिकारिया और उपमहापौर श्रीमती गायत्री देवी को पत्र देकर अपील किया है कि अनुबंध कर्मी उमाकांत कुमार, मुकेश कुमार, अनिल राउत, राहुल कुमार, सुभद्रा देवी, गंगा कुमार, पिंटू कुमार, जगदीश राम, प्रतिमा देवी, पिकी देवी, मनोज राउत, अनिल मलिक, ध्रुप राउत, शत्रुघ्न राउत, अमित कुमार पटेल, राजेश महतो और भोला प्रसाद को अविलम्ब पूर्व की तरह अनुबंध कर्मी का दर्जा देते हुए निष्कासित सभी सत्रह कर्मियों को पूर्व की भांति नगर की सफाई व्यवस्था में शीघ्र वापस लिया जाए।

बजट पर सेमिनार आयोजित फाइलेरिया व एल्बेंडाजोल गोली खाने से बच्चों का तबियत बिगड़ी, कोई हताहत नहीं



मोतिहारी। मुंशी सिंह महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा शनिवार को केंद्रीय बजट 2024-25 के ऊपर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य मृगेंद्र कुमार व विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के डॉ. शिवेंद्र सिंह और मो. सलाउद्दीन, ए.के. चौबे ने भी अपना-अपना विचार प्रस्तुत किए। डॉ. शिवेंद्र सिंह ने अपने भाषण में केंद्रीय बजट के विभिन्न

पहलुओं की व्याख्या की साथ ही केंद्रीय बजट 2024-25 का सविस्तार विश्लेषण किया। उन्होंने अंतरिम बजट और इसकी सीमाओं का जिक्र करते हुए सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के माध्यम से सबका साथ सबका विकास पर वक्तव्य दिया।

उक्त मौके पर प्रो.एम.एन. हक, प्रो. इकवाल हुसैन, डॉ. प्रीति कुमार, पवन कुमार, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. मनीष झा, शोभाथी अनिल कुमार सहित छात्र/छात्राओं ने बह-चढ़कर हिस्सा लिया।

रामगढ़वा। फाइलेरिया मुक्त अभियान को लेकर रामगढ़वा प्रखंड के लगभग सभी स्कूलों में फाइलेरिया व एल्बेंडाजोल की गोली को खिलाया गया है जबकि रामगढ़वा थाना क्षेत्र के प्राथमिक उर्दू स्कूल भेड़ीहड़वा में सैकड़ों बच्चों को एल्बेंडाजोल एवं फाइलेरिया की दवा खिलाया गया था जिसके कुछ ही समय बाद बच्चों में बेचैनी, पेट दर्द व उल्टी की समस्या होने लगी, जिसके बाद बच्चों को तुरंत आनन फानन में पीएससी रामगढ़वा लाया गया, जहाँ उनका इलाज कराया गया हालांकि सभी बच्चे सुरक्षित हैं।

रामगढ़वा चिकित्सा पदाधिकारी नीतिषध्वज सिंह ने बताया कि आज रामगढ़वा प्रखंड के सभी स्कूलों पर बच्चों को एल्बेंडाजोल व फाइलेरिया की दवा को खिलाया गया था जिसके बाद बच्चों के द्वारा बेचैनी, उल्टी व माथा दर्द का शिकायत किया गया, जिसके बाद सभी बच्चों को रामगढ़वा

पंचायत समिति की बैठक में छाया रहा जविप्र दुकानदारों के मनमानी का मुद्दा



जनप्रतिनिधियों ने कहा एमओ कार्यालय बना शोभा की वस्तु

तुरकौलिया। प्रखण्ड परिसर स्थित सभागार भवन में पंचायत समिति की बैठक प्रमुख विभा यादव की अध्यक्षता में हुई। जहाँ सभी पंचायत समिति सदस्य, मुखिया व विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान सदन के भीतर मुखिया रामजनम पासवान ने कहा कि एमओ कार्यालय नहीं आते हैं। जनवितरण दुकानदार मनमानी कर रहे हैं। लाभुकों को मानक के अनुरूप राशि नहीं देते हैं। इतना ही नहीं किसी भी बैठक में भाग भी लेते हैं। एमओ का कार्यकाल शोभा का वस्तु बना हुआ है। महीने में एकाध बार भी दफ्तर आना उनको गवारा नहीं है।

मुखिया एजाज अहमद ने भी जनवितरण दुकानदार पर मनमानी करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि आमजनता अनाज कम मिलने को शिकायत करती है। लेकिन कंप्लेन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। वही दुसरे सदस्यों ने सदन को बताया कि आईसीडीएस कार्यालय में भ्रष्टाचार का मुद्दा है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर सही से बच्चों को नहीं खिलाया जाता है। पोशाक वितरण में भी गड़बड़ी की जाती है। सीडीपीओ

भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। किसी प्रकार का कार्रवाई नहीं करती हैं। आईसीडीएस दफ्तर की जांच होनी चाहिए। मजदूरों का श्रम कार्ड नहीं बनाया जाता है। पंसस अनिल पासवान ने बताया कि राशन कार्ड बनाने के लिए कार्यालय से अवैध पैसे की मांग की जाती है। साथ ही जिनके पास राशन कार्ड है उनको राशन कम दिया जाता है।

बैठक के दौरान प्रखंड प्रमुख को विश्वास मत हासिल करने पर धन्यवाद दिया गया। सदस्यों के बातों को सुनने के बाद बीडीओ रमेश कुमार ने आश्वासन देते हुए कहा कि जो जो प्रस्ताव आया है। सभी को अमल में लाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में उप प्रमुख शाहिदा बेगम, बीडीओ रमेश कुमार, पीओ जीतेंद्र कुमार, आरओ सुबोध कुमार, जेई कन्हैया कुमार, मुखिया रामजनम पासवान, मुखिया संघ अध्यक्ष सुनील टाइगर, एजाज अहमद, विनोद सिंह, ईओ एहतेशाम अहमद, विनय कुमार, विजय साह, पंसस अमेरिका पासवान, रजनीश राय उर्फ पेटू राय, अशोक यादव, शहजाद अंसारी, ईद मुहम्मद, अशरफ़ी महतो, राजकिशोर सिंह, मिथलेश कुमार सोनी, राजकिशोर सिंह आदि मौजूद थे।



पीएससी लाया गया।

जहाँ सभी बच्चों का इलाज किया गया है। जिसको लेकर बच्चों में डर का माहौल बन गया था, बच्चे एक दूसरे को देखकर पैनिक हो गए थे। हालांकि सभी बच्चों को ओआरएस का घोल पिलाया गया है जिसके बाद अधिकांश बच्चे ठीक होकर अपने घर चले गए। जबकि कुछ बच्चों को थोड़ा दिक्कत है जिसको लेकर अभी हॉस्पिटल में ही अपने देखरेख में रखा

गया है। जबकि एक बच्ची को सामान्य स्थिति में माता पिता के दबाव की वजह से सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। वही मौके पर रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र सिंह, रामगढ़वा थानाप्रभारी अमित कुमार सिंह व प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रामाधार पांडेय भी मौके पर पहुंच कर अपने देखरेख में बच्चों का इलाज कराया। और सभी बच्चों को अपने अपने घर भी भेज दिया गया।